Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 107 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 02 मार्च 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

एआई समिट प्रदर्शन के मामले में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष को बड़ी राहत, हाईकोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को बड़ी राहत मिली है। एआई समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन मामले में देर रात पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें सशर्त जमानत दी। दिल्ली पुलिस ने उदय भानु चिब को रात में पटियाला हाउस कोर्ट के ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने उदय भानु चिब को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने देर रात कोर्ट में उदय भानु चिब की पुलिस कस्टडी रिमांड को 7 दिन बढ़ाने की मांग करते हुए अर्जी दायर की। साथ ही मामले के दो अन्य आरोपियों की रिमांड के लिए भी अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की गईं। कोर्ट ने उदय भानु चिब की रिमांड बढ़ाने की दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की अपील को खारिज कर दिया। हालांकि, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से याचिका दाखिल किए जाने के बाद ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने उदय भानु चिब को जमानत दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि क्राइम ब्रांच रिमांड बढ़ाने की जरूरत के पर्याप्त कारण नहीं बता पाई।

एसटीएफ और आगरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 50 हजार का इनामी कुख्यात बदमाश कल्लू ढेर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा यूनिट और आगरा पुलिस की संयुक्त टीम की कार्रवाई में कुख्यात इनामी बदमाश पवन उर्फ कल्लू की मौत हो गई है। 27 फरवरी 2026 को थाना एकता क्षेत्र में एसटीएफ की नोएडा यूनिट और आगरा पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए कुख्यात इनामी बदमाश को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार किया था। मुठभेड़ के दौरान बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अस्पताल में पवन उर्फ कल्लू की मौत हो गई। बदमाश की पहचान पवन उर्फ कल्लू, पुत्र संतराम, निवासी सिरौली, थाना लोनी, जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई है। पवन कमिश्नरेट आगरा के थाना ताजगंज में दर्ज रंगदारी के एक मामले में वांछित था और उस पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

गेल इंडिया लिमिटेड ने कोटा में गर्भवती महिलाओं को वितरित किए पोषण किट

कोटा। गेल इंडिया लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के तहत राजस्थान के कोटा में गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण किट वितरित किए। यह कार्यक्रम लोकसभा अध्यक्ष एवं कोटा के सांसद श्री ओम बिरला के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कोटा में आयोजित उद्घाटन समारोह मातृ स्वास्थ्य को मजबूत करने, सुरक्षित गर्भावस्था को बढ़ावा देने और नवजात शिशुओं के बेहतर पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

ईरान में 40 दिनों के शोक की घोषणा

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत...

ईरान/ एजेंसी

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत की पुष्टि आधिकारिक तौर पर हो चुकी है। ईरान के सरकारी मीडिया ने रविवार की सुबह को पुष्टि की कि खामेनेई अमेरिका-इजरायल हमलों में मारे गए। खामेनेई की मौत की खबर के बाद ईरानी सरकार ने 40 दिन के शोक का ऐलान किया। वहीं दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि देश खामेनेई की मौत का शोक नहीं मनाएगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने पर शोक नहीं मनाया जाएगा।अल्बनीज ने रिपोर्टरों से कहा, अयातुल्लाह अली खामेनेई सरकार के बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर प्रोग्राम, हथियारबंद प्रॉक्सी को सपोर्ट और अपने ही लोगों के खिलाफ हिंसा और डराने-धमकाने के क्रूर कामों के लिए जिम्मेदार थे। वह ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर हमलों की प्लानिंग के लिए जिम्मेदार थे। उनकी मौत पर शोक नहीं मनाया जाएगा। वहीं, खामेनेई की मौत की पुष्टि करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ईरान के सुप्रीम लीडर यूएस-इजरायल के संयुक्त हमलों में मारे गए, और इसे ईरानियों के लिए अपने देश पर कंट्रोल वापस पाने का सबसे बड़ा मौकाबताया। ट्रंप ने एक बयान में कहा, इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक, खामेनेई मर गया है। यह ईरान के लोगों के लिए और सभी महान अमेरिकियों और दुनिया भर के कई देशों के उन

लोगों के लिए न्याय है, जिन्हें खामेनेई और उनके खून के प्यासे गुंडों के गैंग ने मार डाला या घायल कर दिया। खामेनेई हमारे इंटेलिजेंस और बहुत एडवांस्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच नहीं पाए और इजरायल के साथ मिलकर काम करते हुए, ऐसा कुछ भी नहीं था जो वह या उनके साथ मारे गए दूसरे नेता कर सकें।इस बीच, ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफबड़ा मिलिट्री कैंपेन जारी रहेगा। ट्रंप ने पोस्ट में कहा, हालांकि, भारी और सटीक बमबारी पूरे हफ्ते बिना रुके जारी रहेगी या जब तक मिडिल ईस्ट और असल में, पूरी दुनिया में शांति के हमारे मकसद को पाने के लिए जरूरी होगा! ट्रंप ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, आर्म्ड फोर्सेज और पुलिस से इम्यूनिटी के बदले अपने हथियार डालने की अपनी पिछली अपील एक बार फिर से दोहराई। वीडियो में राजधानी के दो भवनों को हवाई हमलों में पूरी तरह नष्ट होते देखा जा सकता है। इससे पहले, इस्राइली सेना ने बताया था कि वह तेहरान के केंद्र में ईरानी आतंकवादी शासन के लक्ष्यों पर व्यापक हमलों की एक श्रृंखला चला रही है। हमलों का उद्देश्य ईरानी प्रशासनिक और रणनीतिक ढांचे को निशाना बनाना बताया जा रहा है और यह अभियान ईरान के प्रमुख सरकारी स्थलों पर केंद्रित है। स्थानीय मीडिया और अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के बाद बड़े धुएं के गुबार उठे और आसपास के इलाकों में भय का माहौल बन गया। नागरिकों ने सोशल मीडिया पर धुएं और तेज आवाज की तस्वीरें साझा की हैं।

खामेनेई की मौत के बाद अलीरेजा अराफी को मिली ईरान की कमान, काउंसिल ने बनाया सुप्रीम लीडर

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद अलीरेजा अराफी को ईरान की लीडरशिप काउंसिल में नियुक्त किया गया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, सीनियर ईरानी नेता अलीरेजा अराफी को रविवार को ईरान की लीडरशिप काउंसिल का ज्यूरिस्ट मेंबर बनाया गया है। अलीरेजा अराफी को लीडरशिप काउंसिल का ज्यूरिस्ट मेंबर बनाने का मतलब है कि अराफी तब तक सुप्रीम लीडर की भूमिका निभाएंगे, जब तक असेंबली नए लीडर का चुनाव नहीं कर लेती। अमेरिका और इजरायल ने साथ मिलकर ईरान पर हमला किया है। ईरान में कई जगह मिसाइलों से हमले किए गए। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई।

ईरान के सुप्रीम खामेनेई की मौत

पीएम नेतन्याहू ने कहा तानाशाह अब नहीं रहा

नई दिल्ली। इजरायल के साथ युद्ध के बीच ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई की मौत को लेकर कहा कि ईरान में अब शांति आएगी। हालांकि, शुरुआत में ईरानी मीडिया ने पीएम नेतन्याहू के दावे को खारिज किया था, लेकिन बाद में उन्होंने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि कर दी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, आज हमने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम में शामिल कई बड़े नेताओं को मार गिराया है और हम इस सरकार की कई जगहों को टारगेट करते रहेंगे।

हमने उस जगह को टारगेट किया है जहां खामेनेई थे।उन्होंने आगे कहा, यह तानाशाह अब नहीं रहा। आज सुबह हमने अयातुल्लाह सरकार के बड़े अधिकारियों, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कमांडरों और न्यूक्लियर प्रोग्राम के बड़े लोगों को खत्म कर दिया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, बीजेपी मध्य प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ, नई दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिले।

जेल सिस्टम में सुधार पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

महिला कैदियों को लेकर दिया गया बड़ा फैसला...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत में जेल सिस्टम के सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है, और यह तय किया है कि इसे सुधार केंद्र में बदलने की दिशा में कदम उठाए जाएं। कोर्ट ने कहा कि कैदियों के लिए सुधार का तरीका बदलाव की दिशा में बड़ा कदम होना चाहिए। विशेष रूप से महिलाओं के मामलों में कोर्ट ने फैसला सुनाया कि पुरुषों की तरह महिलाओं को भी ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन या 'खुली जेल' में रहने का अधिकार होना चाहिए। इसके तहत अब जेलों को सिर्फ लेबर कैंप के रूप में नहीं बल्कि वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर के

रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि कैदी अपने कौशल का विकास कर सकें। इसके साथ ही कैदियों को उनके परिवारों से नियमित रूप से मिलने का अधिकार भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस फैसले को 138 पेजों में विस्तार से लिखा गया है।

पीएम मोदी और शाह के खिलाफ एफआईआर

आपको वकालत का लाइसेंस किसने दिया-जस्टिस सूर्यकांत

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाले वकील को फटकरा लगाई है। यह मामला नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 सीएए से जुड़ा है। हालांकि, जब वकील ने बाद में कोर्ट से वादा किया कि वह फिर कभी फालतू याचिका दायर नहीं करेगा, तो चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका खारिज कर दी और उससे खर्च वसूलने पर रोक लगा दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या

बागची की बेंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। हाई कोर्ट ने वकील को सीएए लागू करने के खिलाफ पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और तत्कालीन कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद के खिलाफ फालतू याचिका दायर करने के लिए 50,000 रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया था। सीजेआई सूर्यकांत ने वकील पूरन चंद्र सेन से यह भी पूछा, क्या हाई कोर्ट ने उन पर खर्च नहीं लगाया था आपने बैंड नहीं पहना हैऐसा लगता है जैसे आप किसी कुश्ती मैच में हिस्सा लेने आए हैं 'सीजेआई ने उन्हें डांटा, और पूछा, आप कितने साल से वकालत कर रहे हैं? जस्टिस सूर्यकांत ने वकील से पूछा कि आपको लाइसेंस देने की गलती किसने की? प्लीज़ ऐसी पिटीशन फाइल न करें। बेंच ने वकील से पूछा कि संसद से कानून बनाने वाले संवैधानिक अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर फाइल करने के लिए कहने का कौन सा प्रोसेस इस्तेमाल किया जा सकता है।

दिवंगत अजित पवार और डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार को बड़ी राहत, 25000 करोड़ के घोटाले में क्लीन चिट

मुंबई । मुंबई की एक विशेष अदालत ने महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक एमएससीबी में कथित 25,000 करोड़ रुपये के ऋण घोटाले से जुड़े मामले में आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। अदालत ने कहा कि जांच के दौरान कोई दंडनीय अपराध साबित नहीं हुआ। विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने ईओडब्ल्यू की 'सी-समरी' रिपोर्ट को मंजूरी दी। इस निर्णय से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार तथा मामले में नामित 70 से अधिक अन्य लोगों को राहत मिली है।

पंजाब में धर्म परिवर्तन पर अमित शाह ने जताई चिंता

भगवंत मान सरकार से की रोकने की अपील-अमित..

मुंबई/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नवी मुंबई के खारघर में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम में शिरकत की। यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के मौके पर रखा गया था। इस दौरान अमित शाह ने पंजाब में हो रहे धर्म परिवर्तन पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने भगवंत मान सरकार और पंजाब के आम लोगों से अपील की कि वे लालच से प्रेरित इस प्रथा को तुरंत रोकें। शाह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपना

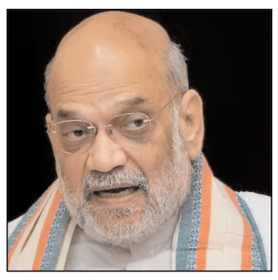

बलिदान दिया था। उन्होंने बहुत अत्याचार सहे लेकिन कभी झुके नहीं। गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि अगर आज हम किसी लालच में आकर अपना धर्म बदलते हैं, तो हम अपने महान गुरुओं के सच्चे अनुयायी नहीं कहला सकते। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार और वहां के हर धर्म के लोगों को मिलकर इस धर्म परिवर्तन को रोकना चाहिए। अपने संबोधन में शाह ने कहा, अगर गुरु तेग बहादुर ने हिंदू धर्म को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी न दी होती, तो आज दुनिया में एक भी हिंदू नहीं बचता। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले कुछ लोगों ने उनके इस बयान पर आपत्ति जताई थी, लेकिन यह एक ऐसा सच है जिसे सबको मान लेना चाहिए। इतिहास का जिक्र करते हुए शाह ने बताया कि जब मुगल शासक औरंगजेब के समय कश्मीरी पंडितों पर जुल्म हुए, तब उन्होंने गुरु तेग बहादुर से मदद मांगी थी।

पुडुचेरी को 2700 करोड़ की बड़ी सौगात

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और डीएमके शासन पर साधा निशाना

पुडुचेरी/ जएंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुडुचेरी दौरे के दौरान 2700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुडुचेरी आना उनके लिए सम्मान की बात है और यह संतों, कवियों तथा स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि रही है। उन्होंने याद दिलाया कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने इसी धरती से राष्ट्रवाद की अलख जगाई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं पहले यहां आया था, तो मैंने बीईएसटी पुडुचेरी' का मंत्र दिया था- जिसका मतलब है बिजनेस, एजुकेशन, स्पिरिचुअलिटी और टूरिज्म। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े चार वर्षों में यह विजन फल दे रहा है। पुडुचेरी में अच्छा शासन और विकास हुआ है। जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश एक ही विजन और लगन से काम करते हैं, तो नतीजे तेजी से और बेहतर होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देशभर में उच्च गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में 12 लाख करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटित किए गए हैं। इससे पुडुचेरी में बेहतर सड़कें, पेयजल आपूर्ति, तटीय ढांचा, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पुडुचेरी को कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्कीम के तहत विशेष सहायता दी गई है, जो पहले केवल राज्यों के लिए उपलब्ध थी। इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज्यादा फंडिंग का मतलब है बेहतर सड़कें, पानी की सप्लाई, कोस्टल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल, अस्पताल और ऐसे कई प्रोजेक्ट। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक

मजबूत और सशक्त युवा हमारी तरक्की की नींव है। हम सपनों को सपोर्ट करने के लिए काम कर रहे हैं। एनआईटी कराईकल में नया डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और मॉडर्न हॉस्पिटल की सुविधाएं कई स्टूडेंट्स के लिए टेक्निकल एजुकेशन को मजबूत करेंगी। पुडुचेरी विश्वविद्यालय में भी आधारभूत ढांचे का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया ऐसी मोबिलिटी पर फोकस कर रही है जो ज्यादा साफ और ग्रीन हो। इलेक्ट्रिक गाड़ियां हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गई हैं। पुडुचेरी जैसे टूरिज्म हब में, इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण कम करने के लिए गेम-चेंजर हो सकती हैं। पीएम ई-बस सेवा के तहत, इलेक्ट्रिक बसें दी जा रही हैं। आज हमारे प्रोग्राम से जुड़े हाउसिंग प्रोजेक्ट्स परिवारों को स्टेबिलिटी और डिग्निटी देंगे। पूरे पुडुचेरी में कई सौ करोड़ के प्रोजेक्ट्स हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा 'डबल इंजन सरकार जो अच्छा काम कर रही है, उसका जश्न मनाना जरूरी है। लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि पहले हालात कैसे थे। कांग्रेस-ष्ठरब्ध के राज में पुडुचेरी के लोगों को बहुत तकलीफ हुई। वे साल पॉलिटिकल अस्थिरता, करप्शन, क्राइम और गरीबों की तकलीफ से भरे थे। राशन की दुकानों के पास चावल नहीं था, सैलरी में देरी होती थी, गुंडे और ड्रग माफिया का राज था।'

पुडुचेरी बनेगा मेडिकल टूरिज्म हब

पुडुचेरी दौरे के दौरान पीएम मोदी ने भरोसा जताया और कहा कि पुडुचेरी देश का बड़ा मेडिकल टूरिज्म हब बन सकता है, यहां पहले से नौ मेडिकल कॉलेज हैं। जिपमर के रीजनल कैंसर सेंटर के आधुनिकीकरण और पीएम-आभिम के तहत तीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स की आधारशिला रखी गई। पीएम ने आगे कहा कि आयुष्मान भारत योजना से लाखों परिवारों को फायदा मिल रहा है और कोशिश है कि इलाज के लिए पुडुचेरी के लोगों को बाहर न जाना पड़े, बल्कि दूसरे राज्यों से लोग यहां इलाज कराने आएं। कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस को पुडुचेरी ने एटीएम बना रखा था और वो भी दिल्ली में बैठे एक परिवार के लिए। इसी संबोधन में उन्होंने डीएमके को भी लपेटा और कहा कि जब डीएमके की बात आती है, तो आप तमिलनाडु में भी हो रहे घोटालों की लंबी सूची देख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

संस्कार सिटी कॉलेज में 'मेंटल हेल्थ एवं गेम्स ऑफ लाइफ' पर व्याख्यान

राजनांदगांव। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 'मेंटल हेल्थ एवं गेम्स ऑफ लाइफ' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों और शिक्षकों को मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच तथा जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर एवं मुख्य अतिथि डॉ. मोना माखीजा, शासकीय कमला राठी महिला महाविद्यालय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ किया गया। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि का पौधा भेंट कर स्वागत किया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. कौर ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षणार्थियों के लिए मानसिक संतुलन बनाए रखना समय की आवश्यकता है, जिससे वे भविष्य में एक सशक्त शिक्षक की भूमिका निभा सकें। मुख्य वक्ता डॉ. मोना माखीजा ने 'गेम्स ऑफलाइफ' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए सकारात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता और दैनिक जीवन में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने आत्मविश्वास की कमी, परीक्षा संबंधी तनाव और युवाओं में बढ़ती मानसिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सहायक प्राध्यापक श्रीमती मधुबाला श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

बचेली थाना परिसर में होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न!

बचेली :- होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परिसर बचेली में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीओपी- कमलजीत पाटले, थाना प्रभारी- प्रहलाद कुमार साहू, तहसीलदार- महेश कश्यप सहित जनप्रतिनिधि, व्यपारी गण एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि होली का त्योहार आपसी भाईचारे और सौहार्द पूर्ण तरीके से मनाया जाए। प्रशासन की ओर से निर्देश दिया गया कि होलिका दहन रात्रि 11.00 बजे तक ही किया जाए, मुखौटा न लगायें, स्कूली बच्चों की परीक्षा को ध्यान रखते हुए साउंड सिस्टम तेज आवाज में न चलायें, रोड पर दुकान न लगावें ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न हो।

एसडीओपी ने बताया कि पर्व के दौरान नगर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। हुड़दंगियों, असामाजिक तत्वों एवं शराब पीकर तीन-चार सवारी बैठाकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही के साथ साथ आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

तहसीलदार ने सभी नागरिकों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की। वहीं थाना प्रभारी ने व्यापारियों से अनुरोध किया कि वे सड़क किनारे दुकानें न लगाएं, ताकि यातायात बाधित न हो और दुर्घटना की स्थिति निर्मित न हो। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं नागरिकों ने भी प्रशासन को सहयोग करने का आश्वासन दिया और नगरवासियों से सुरक्षित, संयमित, प्रेमपूर्वक, सौहाद्रपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में होली मनाने की अपील की।

भरदालोधी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर लगा विज्ञान मेला

साजा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भरदालोधी में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर भव्य विज्ञान मेलें एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विज्ञान के महत्व, उद्देश्य और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी गई। संस्था प्रमुख हीरालाल वर्मा ने बताया कि वैज्ञानिक सीवी रमन ने 1928 में अपने महत्वपूर्ण सिद्धांत रमन प्रभाव की खोज की थी, जिसके लिए उन्हें भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों को हर घटना को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि वैज्ञानिक सोच से ही समाज में फैले अंधविश्वास और अंधश्रद्धा को दूर किया जा सकता है। कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षणः मेले में बच्चों ने विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों को मॉडल और प्रयोगों के माध्यम से जीवंत कर दिया।

कक्षा आठवीं की छात्रा गीतिका नेतामऔर देविका ने सूक्ष्मदर्शी की मदद से स्लाइड बनाकर सूक्ष्म अवलोकन करवाया। कक्षा सातवीं के तेजस्वी, गामिनी और तामेश्वरी ने विद्युत चालकता परिपथ का सफल प्रदर्शन किया। कक्षा छठवीं की सीमा और पूनम ने चुंबकीय व अचुंबकीय पदार्थों के चार्ट प्रदर्शित किये। काजल और यशोदा ने घर्षण एवं ध्वनि के सिद्धांतों को समझाया। अन्य प्रयोगों में हीना, देवकुमारी और खुशी ने अम्ल-क्षार व लवण का परीक्षण किया। तिलेश और चंपेश ने विद्युत जनित्र द्वारा चालकता दिखाई। सुशांत साहू ने घुलनशील-अघुलनशील पदार्थों और मानसी व परिधि ने मूसला एवं रेशेदार जड़ के बीच अंतर को विस्तार से स्पष्ट किया।

अतिथियों का रहा मार्गदर्शनः कार्यक्रम के दौरान विज्ञान शिक्षक नरेश बघेल और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से हुमा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें निरंतर जिज्ञासु बने रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख हीरालाल वर्मा, शिक्षक राजू सेन, चुरावन बघेल, शिवेंद्र डहरवाल, अजय यादव एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधान पाठक ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन की बधाई दी।

नवाचार की नई उड़ान : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर पेंटा सुकमा-1 में भव्य विज्ञान प्रदर्शनी

सुकमा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा सुकमा-1 में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति उत्साह और नवाचार की झलक देखने को मिली। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन राजू डी. नायक, सेकंड इन कमांड, 150 बटालियन, सीआरपीएफने किया, जिन्होंने विज्ञान को राष्ट्र निर्माण का अहम हिस्सा बताया।

प्रारंभ में, एक दिन पहले विद्यालय स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता और वैज्ञानिक जिज्ञासा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संयोजन विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल के नेतृत्व में हुआ। प्रदर्शनी में विभिन्न मॉडल्स प्रस्तुत किए गए, जो पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, वायु प्रदूषण नियंत्रण जैसे समसामयिक मुद्दों पर आधारित थे।

मुख्य अतिथि राजू डी. नायक ने छात्रों की अभिनव प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस क्षेत्र की प्रतिभा को उजागर करने के लिए सिर्फ दृढ़ संकल्प और परिश्रम की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सक्रिय भागीदारी की अपील की और इसे सफलता का मुख्य मंत्र बताया।

कार्यक्रम प्रभारी सुश्री पूजा गौतम और समन्वयक अमन कुमार पंथी के दिशा-निर्देशन में प्रदर्शनी का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मंच संचालन की जिम्मेदारी सुश्री स्मिता मुर्मू और श्रीमती फौजिया पीएम ने संभाली, जिन्होंने इसे प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी में विभिन्न विद्यालयों एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल, कोंटा, स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश स्कूल, दोरनापाल और डीएवी कोंटा ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई।

कार्यक्रम के अंत में, रसायन विज्ञान की शिक्षिका श्रीमती सपना धीमन ने डॉ. चंद्रशेखर वेंकट रमन के जीवन पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुसंधान की अहमियत समझाई।

प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए इस कार्यक्रम को जनपद में विज्ञान और नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

राजनांदगांव में शासकीय विज्ञापन बोर्ड पर उठे सवाल, अशोक फड़णवीस ने लगाए गंभीर आरोप

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की योजनाओं के प्रचार के लिए लगाए गए शासकीय विज्ञापन बोर्ड को लेकर नया विवाद उत्पन्न हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व नगर निगम चेयरमैन अशोक फड़णवीस ने जनसंपर्क विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा है कि योजनाओं के प्रचार के लिए जो विज्ञापन बोर्ड लगाए गए थे, वे धरातल पर कहीं नहीं दिखाई दिए। फड़णवीस का कहना है कि विभाग ने केवल फोटो खींचने और कागजी कार्रवाई करने तक ही सीमित रखा, जबकि असल में किसी स्थान पर स्थायी बोर्ड लगाए ही नहीं गए।

फड़णवीस ने इस संबंध में एक वीडियो भी प्रस्तुत किया है, जिसमें दावा किया गया कि 21 फरवरी को मुख्यमंत्री के जन्मदिन के मौके पर आंबेडकर चौक के पास एक मालवाहक वाहन में शासकीय योजनाओं के विज्ञापन बोर्ड लाए गए थे। लेकिन, इन बोर्डों को कुछ ही मिनटों के लिए चौक पर खड़ा किया गया और फिर फोटो खींचने के बाद उन्हें तुरंत वापस वाहन में रख लिया गया। यही प्रक्रिया अन्य प्रमुख स्थानों जैसे कलेक्टर कार्यालय मार्ग, वीआईपी मार्ग, ममता नगर और दिग्विजय स्टेडियम मार्ग पर भी अपनाई गई।

फड़णवीस ने दावा किया कि उन्होंने खुद शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का निरीक्षण किया, लेकिन कहीं भी स्थायी रूप से शासकीय विज्ञापन बोर्ड नहीं पाए गए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या यह सब जनसंपर्क विभाग की जानकारी के बिना हुआ है, और क्या अन्य जिलों में भी इसी तरह की कार्रवाई की गई है।

श्री फड़णवीस ने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया कि 21 फरवरी की सुबह 7.00 से 7.30 बजे के बीच आंबेडकर चौक क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए, ताकि इस बात की पुष्टि की जा सके कि उस दिन क्या गतिविधियाँ हुईं।

अगर वीडियो और सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि हो जाती है, तो यह जनसंपर्क विभाग की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर सकता है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस मामले की गंभीरता को समझते हुए क्या कदम उठाता है और क्या जांच होती है या नहीं।

कटौद में जुआ खेल रहे 06 जूवाडीयानों को पकड़ने में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

जूवाडीयानों के कब्जे से कुल जुमला रकम 11100/ रू एवं तास पत्ती बरामद

जांजगीर //समय दर्शन // पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय IPS* के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में जुआ, सट्टा खिलाने एवं खेलने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नवागढ़ पुलिस द्वारा ग्राम कटौद में बीते रात्रि रेड कार्यवाही कर जुवारीयो को पकड़ा जिसके विरुद्ध विधिवत जुआ अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

जुवारीयो का नाम - रामखिलावन कश्यप उम्र 40 वर्ष निवासी कटौद, दिनेश साहू उम्र 43 वर्ष निवासी कटौद, हरि कुमार कश्यप उम्र 30 निवासी कटौद, घनश्याम कश्यप उम्र 29 वर्ष निवासी कटौद, जैनी साहू उम्र 33 साल निवासी कटौद, टिंकू केवट उम्र 30 साल निवासी कटौद थाना नवागढ़ जिला जांजगीर चांपा

उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी नवागढ़ निरीक्षक कमलेश सेंडे एवं थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

73 लाख के इनामी 15 माओवादियो ने किया सरेंडर

हथियार समर्पित कर माओवादियों ने थामा संविधान एवं तिरंगा झण्डा का साथ, चुना विश्वास, सुरक्षा और विकास का रास्ता

पूना मारगेम- पुनर्वास से पुनर्जीवनः- 15 सशस्त्र माओवादी लौटे समाज की मुख्यधारा में

हथियार समर्पित कर माओवादी ने थामा संविधान एवं तिरंगा झण्डा का साथ चुना विश्वास, सुरक्षा और विकास का रास्ता

शासन द्वारा प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (maoist) के ओडिशा राज्य कमेटी के पश्चिमी सब जोन के बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिविजनल कमेटी (डीवीसी) के सभी 15 माओवादियों द्वारा अपने धारित हथियार समर्पित कर पुनर्वास

आत्मसमर्पित नक्सलियों में 9 महिला एवं 6 पुरुष शामिल

15 नक्सलियों पर कुल 73 लाख का इनामः 01 स्ष्टरू इनाम 25 लाख, 02 ष्ठष्टरू इनाम 8 लाख, 05ष्टरूइनाम 5 लाख 07 PM इनाम 1 लाख, कुल इनाम 73 लाख

कुल 14 अत्याधुनिक एवं आटोमेटिक हथियार के साथ आत्मसमर्पण जिसमे तीन एके-47, दो एसएलआर, दो इंसास, चार .303 और तीन 12 बोर शामिल

विकास उर्फसुदर्शन उर्फजंगू उर्फबाबन्ना उर्फराजन्ना उम्र 57 वर्ष, स्टेट कमेटी मेंम्बर(स्ष्टस्) था बीबीएम डिवीजन का प्रभारी एके-47 हथियार के साथ

इस पुनर्वास के बाद माओवादियों के ओडिशा स्टेट कमेटी का पश्चिमी सब जोन पूरी तरह से समाप्त, छत्तीसगढ़ का रायपुर पुलिस रेंज के साथ साथ ओडिशा का संबलपुर रेंज भी हुआ नक्सलमुक्त

मार्च 2026 तक नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लक्ष्य की पूर्ति

अभय धृतलहरे

(महासमुन्द समय दर्शन ब्यूरो)। महासमुंद जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय बरगढ़- बलांगीर- महासमुंद डिविजनल कमेटी (डीवीसी) के सदस्यो को आत्म समर्पण कराने हेतु विभिन्न संपर्क माध्यमो आकाशवाणी, बैनर, पोस्टर, पाम्पलेट तथा अन्य संवाद माध्यमों से लगातार अपील किया जा रहा था। संवाद माध्यमो से शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत् समर्पण करने पर पद अनुरूप ईनाम राशि की सुविधा, हथियार के साथ समर्पण करने पर ईनाम राशि की सुविधा, बीमार होने पर स्वास्थ्य सुविधा, आवास एवं रोजगार व्यवस्था का लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा था।
माओवादी विचारधारा, जंगलो में घुमने से आने वाली परेशानियों, परिवार से दूरी, तथा पूर्व में समर्पण किये कई माओवादी साथियों को आत्मसमर्पण नीति की योजनाओं का लाभ उठाते हुये परिवार के साथ खुशहाल जीवन निर्वाह करते हुये देखकर, हिंसा का मार्ग त्यागकर, समाज की मुख्य धारा में शामिल होने का निर्णय लिया गया एवं बीबीएम कमेटी के 15 सदस्यो द्वारा जिला पुलिस महासमुंद के समक्ष हथियार के साथ आत्म समर्पण किया गया। जिनका रक्षित केन्द्र परिसर परसदा में तिरंगा एवं संविधान की प्रति तथा शांति, प्रेम एवं नए जीवन का प्रतीक लाल गुलाब भेंट कर सम्मानित किया गया

आत्मसमर्पित नक्सलियों का संगठनात्मक परिचय- सभी 15 आत्मसमर्पित नक्सली भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के ओडिशा राज्य कमिटी के सदस्य थे ओडिशा राज्य कमिटी के अंतर्गत ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी जोन के बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिवीज़न के सदस्य थे।

संगठनात्मक रूप से ये तीन अलग अलग एरिया कमिटी में विभाजित थे ओडिशा स्टेट कमिटी और ब्ब्रूरू डिवीज़न का निर्माण 2010 के बाद हुआ था ।

आत्मसमर्पित नक्सलियों का व्यक्तिगत व्यक्तिगत परिचय-

आत्मसमर्पित नक्सलियों में सबसे सीनियर विकास उर्फ सुदर्शन उर्फ जंगू उर्फ बाबन्ना उर्फ राजन्ना उर्फ मुप्पीड़ी साम्बाईह उम्र 57 वर्ष- ग्राम- तारलापल्ली, थाना- हनुमाकोण्डा, जिला-वारंगल (तेलंगाना) का मूल निवासी है7 1985 से संगठन में सक्रिय विकास तेलंगाना स्टेट जोनल कमिटी, 10 साल तक छ्वयर्स्ह्ल के दक्षिणी सब जोन का सचिव, दो साल गडचिरोली डिवीज़न का प्रभारी इत्यादि इत्यादि पद पर कार्य करने के बाद ओडिशा स्टेट कमिटी के निर्माण करने वाले नक्सलियों में से एक था।

डिविज़नल कमिटी सदस्य मंगेश 2010 में ओडिशा आने से पहले छ्वयर्स्ह्ल के उत्तर बस्तर डिवीज़न के प्लाटून 5 का सदस्य था7 डिविशनल कमिटी सदस्य बाबू 2010 में ओडिशा आने से पहले छ्वयर्स्ह्ल के माड़ डिवीज़न के प्लाटून 1 का सदस्य था7 दोनों पर 8 लाख का इनाम है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों में 6 सदस्य(नीला,सोनू,रीना,दिनेश,दीपना, रानीला) सेंट्रल कमिटी सदस्य चलपति के गार्ड के रूप में कार्यरत रहे है गरिआबंद के कुल्हाड़ीघाट ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ में माओवादियों का पहला केंद्रीय कमिटी सदस्य मारा गया था जिसके बाद बाद उक्त 6 सदस्य ट्रांसफर होकर BBM में विकास के अधीन कार्यरत है

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कबीर मठ आश्रम में आयोजित अखिल भारतीय सद्गुरु कबीर संत सम्मेलन में हुए शामिल

संत कबीर की वाणी समाज को जोड़ती है, सरकार का संकल्प जनजीवन संवारता है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। संत परंपरा और आध्यात्मिक चेतना समाज को सही दिशा देती है, और जब शासन व्यवस्था इन मूल्यों से जुड़ती है, तो विकास और संस्कार दोनों साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। संत कबीर की वाणी समाज को जोड़ती है, सरकार का संकल्प जनजीवन संवारता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम नादिया स्थित कबीर मठ आश्रम में आयोजित अखिल भारतीय सद्गुरु कबीर संत सम्मेलन फाल्गुन महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर आश्रम में विकास कार्य के लिए 11 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने मठ आश्रम परिसर में स्थायी डोम निर्माण और प्रतिवर्ष आयोजन के लिए बजट में राशि का प्रावधान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम नादिया में मिनी स्टेडियम के निर्माण की घोषणा की, साथ ही राजनांदगांव शहर में कबीर साहेब के नाम भव्य प्रवेश द्वार निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 202 साल पहले पूज्य सद्गुरु सेवा साहब जी ने नादिया जैसे गांव में कबीर मठ की स्थापना की। हलबा समाज के संत स्वरूप मंतू ठाकुर जी ने आश्रम की सेवा के लिए अपनी समस्त संपत्ति अर्पित कर दी। श्री साय ने कहा कि हलबा समाज का गौरवशाली और समृद्ध इतिहास रहा है। हलबा समाज से गेंदसिंह जी जैसे महानायक हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में सद्गुरु कबीर के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश में सद्गुरु संत कबीर का बड़ा प्रभाव है। उन्होंने अपने बचपन से ही कबीर पंथ से जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि कुनकुरी में कबीरपंथ का बड़ा आश्रम है। बचपन से ही पंथ के रीति-रिवाजों से मैं भलीभांति परिचित रहा।छत्तीसगढ़ का जिला कबीरधाम सद्गुरु के नाम पर है। यहां के लोकजीवन में

कबीर की वाणी का प्रभाव है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कबीर दास जी के दोहों में जीवन का संदेश है। उन्होंने 'निंदक नियरे राखिए' जैसे कबीर संत के दोहों को दोहराया। श्री साय ने कहा कि संत कबीर कहते थे कि हमारे भीतर अपनी कमियों को सुनने का साहस होना चाहिए, ताकि हम खुद को बेहतर बना सकें। उनके दोहों में आदर्श जीवन और मानव समाज के हित के संदेश हैं, इसलिए हमें कबीरदास जी के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है, जहां की 80 प्रतिशत आबादी कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ी है। हमने सुव्यवस्थित धान खरीदी की। धान बेचने के 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में राशि पहुंचे, यह सुनिश्चित किया। शनिवार को हमने 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों के खातों में कृषक उन्नति योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की। महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्रदेश की 69 लाख से अधिक माताओं-बहनों के खातों में 15 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी में हमने वादा किया था कि सरकार बनते ही प्राथमिकता के आधार पर 18 लाख आवास प्रदान करेंगे। हमने शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर ही पहली कैबिनेट बुलाकर 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दे दी। आज 8 लाख से ज्यादा मकान बन चुके हैं, जिनका गृह प्रवेश भी हो चुका है। इतना ही नहीं, बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की अलग से स्वीकृति हुई है। पीवीजीटी समुदाय के लोगों के लिए अलग से 32,000 पीएम आवासों की स्वीकृति हुई है।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने श्री चंदपुरिहा कंसोधन वैश्य गुप्ता समाज को सामुदायिक भवन की दी सौगात

रायपुर। वाणिज्य उद्योग, श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज रविवार को कोरबा मे चंदपुरिहा कंसोधन वैश्य गुप्ता समाज को 25 लाख की लागत के सामुदायिक भवन की सौगात देते हुए निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। आज डीडीएम नहर मार्ग मे आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में महर्षि कश्यप ऋषि की पूजा अर्चना कर जिला खनिज न्यास मद से बनने वाले भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा कि पिछली बार जब समाज के सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ था तब समाज की मांग पर इस कार्य की सहर्ष घोषणा की थी। जिला खनिज न्यास मद से 25 लाख की लागत से भवन की स्वीकृत कराई गई, और आज आज सभी के उपस्थिति में भवन का भूमि पूजन किया जा रहा है। साथ ही समाज के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा विधानसभा अंतर्गत सभी समाज की मांग अनुरूप उनके लिए सामुदायिक भवन, मंच, डोम शेड, बाउंड्री वॉल सहित महत्वपूर्ण विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। ट्रिपल इंजन की सरकार में 800 करोड़ से अधिक की राशि के कार्यों की विगत 2 वर्षों में प्राप्त हो चुकी है, उन सभी कार्यों को तेजी से धरातल पर उतर जा रहा है। महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि कोरबा नगर निगम क्षेत्र आज विकास के नए आयाम लिख रहा है, बड़े निर्माण कार्यों के साथ-साथ छोटे कार्य भी जल्द से जल्द शुरू कराकर पूर्ण कराया जा रहे हैं, सामाजिक भवनो का विकास कराई जा रहे हैं। उद्योग मंत्री के नेतृत्व में आज फंड तेजी से जारी हो रही है, आज इसी का परिणाम है की विकास कार्यों का लाभ जनता को मिलने लगा है। यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर सभापति श्री नूतन ठाकुर , पार्षद श्रीमती मथुरा चंद्रा ,पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन ,श्री राम कुमार साहू, श्री ईश्वर पटेल, श्री योगेश्वर प्रसाद गुप्ता ,डॉ पीयूष गुरु गोस्वामी , श्री राजेश गुप्ता, श्रीराम सेवक गुप्ता, श्री मलिक राम गुप्ता, श्री बालमुकुंद गुप्ता, श्री देवेंद्र गुप्ता, श्री मनोज गुप्ता, श्रीमती प्रभा गुप्ता, डॉ शुभम गुप्ता, श्रीमती सीमा गुप्ता, श्री राजीव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, श्री राकेश नागरमल, श्री विजय गुप्ता सहित समाज के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

केंद्रीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी से मिले उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शनिवार के अपने नागपुर प्रवास के दौरान भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (NH-30) के धवईपानी (चिल्फी) से कवर्धा होते हुए सिमगा तक लगभग 122 किलोमीटर लंबे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करने तथा कवर्धा बायपास (yL+PS) के निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी को बताया कि हाल ही में एनएच - 30 के जबलपुर से मंडला एवं चिल्फी तक लगभग 160 कि.मी. के सेक्शन को 4-लेन में विकसित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में चिल्फी (धवईपानी) से कवर्धा तथा कवर्धा गुरूनाला से सिमगा तक का मार्ग 10 मीटर चौड़ाई की 2-लेन सड़क के रूप में

निर्मित है। चिल्फी से रायपुर मार्ग पर वर्तमान में व्यावसायिक एवं भारी वाहनों का अत्यधिक आवागमन होता है। जबलपुर-मंडला-चिल्फी सेक्शन के 4-लेन बनने के बाद यातायात का दबाव आगे के 2-लेन सेक्शन पर और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसी स्थिति में लोक सुरक्षा एवं यातायात सुगमता के दृष्टिकोण से धवईपानी (चिल्फी) से सिमगा (रायपुर) तक के पूरे सेक्शन को 4-लेन में उन्नत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। जबलपुर से रायपुर के मध्य एनएच-30 पर जिला कबीरधाम मुख्यालय कवर्धा स्थित है। यह अंतर्राज्यीय मार्ग व्यावसायिक, सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन होता है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कवर्धा शहर में भारी यातायात के दबाव को कम करने तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवर्धा बायपास (4 लेन मय पेव्ड शोल्डर) के निर्माण की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि बायपास निर्माण से शहर के भीतर दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी तथा यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा। नागपुर से लौटते ही रायपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि सिमगा से रायपुर तथा धवईपानी से जबलपुर तक 4-लेन निर्माण के आदेश पूर्व में जारी हो चुके हैं, किंतु धवईपानी से सिमगा तक का सेक्शन शेष रह गया था। इस महत्वपूर्ण खंड को भी 4-लेन में विकसित करने हेतु उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से आग्रह किया।

एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट तथा थाना आजाद चौक पुलिस की बड़ी कार्यवाही

75 लाख रुपये नगद किया गया बरामद

रायपुर। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में दिनांक 27.02.2026 को थाना आजाद चौक क्षेत्रांतर्गत समता कॉलोनी में एम.सी.पी. प्वाइंट लगाकर संदिग्ध वाहन/व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक्टिवा वाहन क्रमांक सी जी 04 एन जे 8956, जिसमें एक बड़ा थैला रखा था, को रोका गया। थैले की जांच करने पर उसमें भारी मात्रा में नगद रकम रखा होना पाया गया। वाहन में सवार व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम मिलन शर्मा, निवासी आजाद चौक, रायपुर बताया। नगद राशि के संबंध में पूछताछ करने तथा दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु कहने पर वह उक्त राशि के संबंध में किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका तथा पुलिस टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करता रहा। जिस पर मिलन शर्मा के कब्जे से कुल 75,00,000/- (पचहत्तर लाख रुपये) नगद, 04 नग मोबाइल फोन तथा एक्टिवा वाहन जप्त कर उसके विरुद्ध थाना आजाद चौक में इस्तगासा क्रमांक 01/2026, धारा 106 बीएनएसएस के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही करते हुए प्रकरण की सूचना आयकर विभाग को दी गई है, जिसमें आयकर विभाग द्वारा अग्रिम जांच की जा रही है। नाम - मिलन शर्मा पिता राधेश्याम शर्मा उम्र 25 साल निवासी समता कालोनी खादुश्राम मंदिर के आपोजिट गली थाना आजाद चौक जिला रायपुर।

मंत्री रामविचार नेताम ने 50 लाख रुपये के विकास कार्यों की दी सौगात

विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार

रायपुर। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पण्डो समाज जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आज बलरामपुर जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत महादेवपुर में विशेष पिछड़ी जनजाति सम्मेलन का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत महादेवपुर में कुल 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले दो प्रमुख कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें 25 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण तथा 25 लाख रुपये की लागत से पण्डो समाज के लिए सामुदायिक

भवन का निर्माण शामिल है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा नेताम एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण इस सम्मेलन में सम्मिलित हुए।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पुलिया निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाला पण्डो समाज का सामुदायिक भवन सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। जहां समाज की बैठकें, सामाजिक आयोजन और अन्य कार्यक्रम संपन्न हो सकेंगे। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक भवन में समतलीकरण के लिए 5 लाख की घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि विशुनपुरा से बैकुंठपुर तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार होगा। ग्रामीणों की आवाजाही आसान होगी साथ ही व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि डिंडो, रामचंद्रपुर और रामानुजगंज में पण्डो छात्रावास भी बजट में शामिल है। छात्रावास बनने से दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और वे अपनी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रख सकेंगे। उन्होंने जानकारी दी है कि रामचंद्रपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी बजट में शामिल है।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और कृषि आधारित गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पण्डो समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक आवश्यकता है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से आसपास के कई गांवों को लाभ मिलेगा और आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर इलाज सुनिश्चित हो सकेगा।

मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर पण्डो समाज के लोगों के साथ केक काटकर खुशियां साझा की। समाज के सभी वर्ग बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

रोज़े के दौरान एक्टिव कैसे रहें: ऋतिका

पवित्र महीना रमज़ान इबादत, सोच-विचार और मिल-जुलकर रहने का समय होता है। 30 दिनों तक सुबह से शाम तक रोज़ा रखना शरीर के लिए थकाने वाला हो सकता है, खासकर माताओं, कॉलेज के विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों के लिए जो रोज़ की ज़िम्मेदारियाँ भी निभाते हैं। पूरे दिन ऊर्जा बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका है सही तरीके से और सोच-समझकर तैयार की गई सहरी खाना।

सहरी में ध्यान संतुलित और धीरे-धीरे ऊर्जा देने वाले भोजन पर होना चाहिए, जो दिन भर ताकत बनाए रखने में मदद करें और थकान से बचाएं। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन शरीर को लगातार ऊर्जा देता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है। दूसरी ओर, दिन की शुरुआत तले हुए या बहुत मीठे भोजन से करने पर ऊर्जा जल्दी बढ़ती है और फिर अचानक गिर जाती है। इससे दिन बढ़ने के साथ-साथ थकान और प्यास ज्यादा महसूस हो सकती है।

सहरी में समझदारी से और पौष्टिक भोजन चुनने से रोज़ा रखना अधिक आसान और ऊर्जावान महसूस हो सकता है। दिन भर लगातार ऊर्जा बनाए रखने के लिए इन पांच खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में शामिल करें: कैलिफ़ोर्निया बादाम: बादाम में विटामिन बी2, विटामिन ई, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो भोजन से ऊर्जा मिलने की प्रक्रिया में मदद करते हैं।

ये शरीर को स्वस्थ और टिकाऊ ऊर्जा देते हैं, जिससे आप दिन भर सक्रिय रह सकते हैं। सहरी में कैलिफ़ोर्निया बादाम को शामिल करना, चाहे उन्हें रात भर भिगोकर खाएं या स्मूदी में मिलाकर लें, लंबे समय तक रोज़ा रखने के दौरान ऊर्जा के स्तर को स्थिर बनाए रखने में मदद कर सकता है।

ओट्स: दूध या पौधे से बने विकल्पों के साथ तैयार किया गया एक कटोरा ओट्स जटिल कार्बोहाइड्रेट और फाइबर देता है। यह ऊर्जा को धीरे-धीरे जारी करने में मदद करता है, जिससे आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और दोपहर में होने वाली थकान से बचाव होता है। अंडे:अंडों में उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन और आवश्यक अमीनो एसिड भरपूर मात्रा में होते हैं। चाहे उन्हें उबालकर खाएं, स्क्रैम्बल करें या सब्ज़ियों के साथ ऑमलेट में शामिल करें, अंडे लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करते हैं और मांसपेशियों के स्वास्थ्य का समर्थन भी करते हैं। ग्रीक योगर्ट के साथ सीड्स: ग्रीक योगर्ट प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है। इसमें चिया या फ्लैक्ससीड्स मिलाने से फाइबर और हेल्दी फैट बढ़ती हैं, जो पाचन में मदद करती हैं और पूरे दिन शरीर को सक्रिय बनाए रखती हैं। केले: केले प्राकृतिक शुगर, पोटैशियम और फाइबर से भरपूर होते हैं। ये जल्दी और संतुलित ऊर्जा प्रदान करते हैं और रोज़ा रखने के दौरान इलेक्ट्रोलाइट स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। संतुलित सहरी, जिसमें जटिल कार्बोहाइड्रेट, उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन, हेल्दी फैट और आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल हों, रोज़ा रखने के अनुभव को बहुत बेहतर बना सकती है। कैलिफ़ोर्निया बादाम, अंडे, ओट्स और केले जैसे पोषक तत्वों से भरपूर भोजन को अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों के साथ चुनकर आप लगातार ऊर्जा बनाए रख सकते हैं, पूरे दिन एक्टिव रह सकते हैं और रमज़ान के दौरान अच्छी तरह से पोषित भी रह सकते हैं।

''यह सिर्फ एक प्लांट का उद्घाटन नहीं है - यह उन्नत सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक गंभीर, विश्वसनीय और तेज़ी से विकसित होते हुए केन्द्र के रूप में भारत का उद्भव है''

इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भारत सरकार और माइक्रोन टेक्नोलॉजी को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के साणंद में माइक्रोन की अत्याधुनिक एटीएमपी (असेंबली, टैस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) फैसिलिटी के ऐतिहासिक उद्घाटन पर बधाई देती है। इस आयोजन में उपस्थित रहे, आईईएसए के प्रेसिडेंट श्री अशोक चांडक ने इस घटना को भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक अहम पड़ाव बताते हुए कहा: यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी कि मैंने स्वयं इतिहास बनते हुए देखा। प्रधानमंत्री के तीन शब्दों ने सब कुछ कह दिया - 'भारत तैयार है, भारत भरोसेमंद है, और भारत काम करके दिखाता है' - यह एक विश्व स्तरीय चिप ईकोसिस्टम बनाने में देश के भरोसे का एक शक्तिशाली ऐलान था। माइक्रोन के एटीएमपी प्लांट का चालू होना भारत की सेमीकंडक्टर नीति के इरादे को लागू करने और मैन्युफैक्चरिंग की तैयारी में सफ्लतापूर्वक बदलने का सबूत है। यह भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, गुजरात सरकार की मज़बूत प्रतिबद्धता और हमारी महत्वपूर्ण सदस्य कंपनी माइक्रोन के भारत की डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर भरोसे को दिखाता है। माइक्रोन का 22,516 करोड़ (लगभग 2.75 अरब यूएस डॉलर) का बड़ा निवेश, भारत में उनके डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा, भारत के मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप में किसी वैश्विक सेमीकंडक्टर लीडर के सबसे बड़े वायदों में से एक है।

समय दर्शन हिन्दी दैनिक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व व अन्य बातों का विवरण

(फार्म-4 नियम 8 देखिए)

(1) प्रकाशन स्थल	:	बी-4, प्रेस काम्पलेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग
(2) प्रकाशन क्रम	:	दैनिक
(3) मुद्रक	:	रोहित खड़तकर
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	एलआईजी-387, पद्मनाभपुर,दुर्ग
(4) प्रकाशक	:	रोहित खड़तकर
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	एलआईजी-387, पद्मनाभपुर,दुर्ग
(5) संपादक	:	रोहित खड़तकर
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	एलआईजी-387, पद्मनाभपुर,दुर्ग
(6) पत्र का स्वामित्व	:	नहीं
भागीदार अथवा अधिक पूंजी वाले हिस्सेदार		
नागरिकता	:	नहीं
पता	:	नहीं

मैं रोहित खड़तकर घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है।

रोहित खड़तकर
मुद्रक/ स्वामी
प्रकाशक के हस्ताक्षर

दिनांक : 02 मार्च 2026

संपादकीय

भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरुरत

बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है। शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की भारत की विदेश नीति पिछले कुछ दशकों में पूरी तरह से विफल हो गई थी। लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव आ गया था। अब भारत ने नए सिरे से संबंध सुधार के प्रयास शुरू किए हैं। बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हुए। वे अपने साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिट्ठी लेकर गए थे। प्रधानमंत्री ने उनको भारत आने का न्योता दिया है। यह सिर्फ औपचारिक शिष्टाचार नहीं है, बल्कि यह एक सुविचारित कूटनीतिक पहल भी है। यह पहल दोपक्षीय संबंधों की निरंतरता और उच्च स्तरीय राजनीतिक विश्वास को दिखाता है। दूसरी ओर इसी यात्रा में भारत के विदेश सचिव का बांग्लादेश के प्रमुख विपक्षी नेता और जमात ए इस्लामी के प्रमुख शफीकुर्रहमान से मिलना इस बात का संकेत है कि भारत अपनी नीति को बहुस्तरीय और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ा रहा है। भारत की एक बहुत अच्छी कूटनीतिक पहल यह रही कि किसी केंद्रीय मंत्री को भेजने की बजाय लोकसभा के स्पीकर को शपथ समारोह में भेज गया। यह दो देशों के संबंधों की भावना को रेखांकित करता है। स्पीकर का पद दलीय राजनीति से ऊपर माना जाता है, इसलिए यह संदेश गया कि भारत की प्रतिबद्धता सिर्फ किसी एक दल या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्थागत संबंधों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री का पत्र और भारत आने का निमंत्रण इस बात का संकेत है कि नई सरकार के साथ संवाद को जल्दी से जल्दी और सकारात्मक दिशा में ले जाने की भारत की मंशा है। दूसरी रणनीतिक पहल विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बांग्लादेश के विपक्षी नेता से मुलाकात है। शफीकुर्रहमान, बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात ए इस्लामी के प्रमुख हैं। जमात को पहली बार बांग्लादेश की तीन सौ सदस्यों की संसद में करीब 70 सदस्यों का प्रतिनिधित्व मिला है। यह एक तरह से उसकी राजनीतिक वैधता है। उनसे मुलाकात कर भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह केवल सत्तारूढ़ दल पर निर्भर रहकर अपनी विदेश नीति नहीं गढ़ता, बल्कि संभावित सत्ता परिवर्तन की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखता है। हालांकि बांग्लादेश में तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को जबरदस्त जनादेश मिला है लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा का मसला वहां के समाज से जुड़ा है और उसे सुनिश्चित करने के लिए जमात के नेता के साथ भारत के संबंधों की बेहतरी भी जरूरी है। बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है। हालांकि अभी भारत गंगा जल संधि या ट्रांस शिपमेंट पर लगाई गई रोक को लेकर कुछ नहीं कह रहा है और न शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपने की बात हो रही है। लेकिन आने वाले दिनों में ये मुद्दे उठेंगे। इन मुद्दों पर सद्भावपूर्ण तरीके से चर्चा हो यह भारत ने अपनी कूटनीतिक पहल से सुनिश्चित किया है। सीमा प्रबंधन और घुसपैठ रोकने में भी भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरुरत होगी।

छत्तीसगढ बजट 2026-27: ज्ञान-गति और संकल्प पर बल

प्रो.बी. एल. सोनेकर

समावेशी विकास व आर्थिक असमानता दूर करने के लिए पिछड़े क्षेत्र (बस्तर व सरगुजा पर) विशेष ध्यान दिया गया। परिवहन-मुख्यमंत्री बस सेवा पिछड़े क्षेत्रों में कनेक्टिविटी सुगम होगा व इन क्षेत्रों में पर्यटनको बढ़ावा मिलेगा तथा इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध, किफ़ायती, सुलभ बनाने के लिए नए संस्थान मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज खोलने के प्रस्ताव से स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता के स्तर को बेहतर करने में कारगर साबित होगा।

अधोसंरचना निर्माण- छरुतगामी सड़क योजना जिससें आर्थिक केंद्र जुड़कर आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में एक अहम पहल है। यात्री उड़ानों को पुन: शुरू होने से क्षेत्र में एयर कनेक्टिविटी बेहतर होगी जिससे ट्रैवल टाइम घटेगा।

निवेश- उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों को सब्सिडी में तीन गुना वृद्धि से रोजगार के नए अवसर के साथ-साथ उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। छत्तीसगढ में क्रिटिकल मिनरल की खोज पर बल दिया जा रहा है जो भविष्य में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगा।

कुशल मानव संसाधन- कॉलेज को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्यन करने हेतु 5 महाविद्यालयों को चुना गया है।जो अन्य सस्थानों के लिए भी एक रोल मॉडल का काम करेंगे और यह केवल पढ़ने लिखने तक सीमित न होकर नवाचार में वृद्धि करने में सहायक होगा। उच्च शिक्षा में अनुदान में वृद्धि करते हुए 731 करोड़ का प्रावधान है तथा कौशल विकास पर फोकस करते हुए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

अंत्योदय- जनजातीय संस्कृति को देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए सुरगुडी स्टूडियो की पहल की गईहै। प्रवासी मजदूरों के लिए नया रायपुर में प्रवासी मजदूर आवासीय परिसर की स्थापना से प्रवासी मजदूरों को आवास की सुविधा मिलेगी, जिससे प्रवासी मजदूरों को लाभ होगा।

लाइवलीहुड - जब सरकार बजट में लाइवलीहुड की बात करती है तब उसका मतलब होता है कि ऐसे कार्यक्रम और योजनाएं जिससे लोगों की आय बड़े और रोजगार के अवसर पैदा हो सके और छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कहीं-कहीं कृषि क्षेत्र में पशुपालन, ग्रामोद्योग या वनों पर जुड़ी हुई है। यही कारण है कि सरकार विभिन्न आजीविका योजनाएं चलाई जा रही है।

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

योगेंद्र योगी

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से-तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे ज़िंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी-रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ़्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ़्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफ़ोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को नि:शुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई।

मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए 'विदियाल पयानम' योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। रिजर्व बैंक ऑफइंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। वर्ष 2016-17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई। वोट बैंक की राजनीतिक के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है। हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 'स्टेट फाइनेंस' रिपोर्ट (2025-26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे (सड़क, स्कूल, अस्पताल) पर खर्च कुल बजट का 10त्न से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर 'रेवड़ियां' बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुले आम 'रेवड़ियां' बांटना भी है। देश में प्रति व्यक्ति कर्ज 1,86,206 रुपए हो जाने का अनुमान है। अहम बात यह है कि राजनीतिक दलों को यह भी बताना चाहिए कि इन मुफ्त की योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। अब हमारी फाइनेंशियल पॉलिटिक्स में ईमानदारी और जवाबदेही वापस लाने का समय आ गया है।

पाणिनि से एआई स्टैक तक: दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

हरदीप एस पुरी

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक है: बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैं और दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी। पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयी: 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय-आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा है: डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है: नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं। अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास-उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता है: लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेज़ी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता है: एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है। पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा है और यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन-देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक ?3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है। किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता-अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया है और यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआई खड़ा है। यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना है और यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैं: भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा-केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया था: तेज़, बड़े पैमाने पर और संप्रभु डिजाइन के साथ। विचार करें कि भारत मंडपम में एक ही सप्ताह में क्या घोषणाएँ की गईं। माइक्रोसॉफ्ट: 2030 तक वैश्विक दक्षिण के लिए 50 बिलियन डॉलर, जिसमें से पहले ही 17.5 बिलियन डॉलर की भारत के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है। गूगल: अमेरिका-भारत संपर्क पहल, जो पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलर से संचालित होगी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा

अजीत द्विवेदी

चौतरफा अविश्वास बढ़ रहा है। नियम आधारित पुरानी विश्व व्यवस्था बिखर गई है। दुनिया के किसी भी देश को दूसरे देश पर या देशों के किसी भी समूह को दूसरे समूह पर भरोसा नहीं रह गया है। जब अमेरिका और यूरोप के बीच अविश्वास बढ़ गया तो बाकी देशों के बारे में क्या कहा जाए! इसी तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश और उसके बाजार में आए उछाल से चलती दिख रही है। इसने सॉफ्टवेयर और आईटी आधारित सेवाओं के उद्योग को लगभग ध्वस्त कर दिया है।

जब से एआई कंपनी एंथ्रोपिक की ओर से कहा गया कि उसके ऑटोमेटेड ऑफिस सूट से सॉफ्टवेयर और दूसरे ऑपरेटिंग सिस्टम्स की जरुरत ही खत्म हो जाएगी तब से आईटी कंपनियों की हालत खराब है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने भी कहा है कि अगले डेढ़ से दो साल में सारे व्हाइट कॉलर जॉब्स एआई के जरिए ऑटोमेटेड हो जाएंगे। हालांकि इसके बावजूद चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी और दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया के निवेशक अपने पैसे निकाल रहे हैं। सॉफ्टबैंक से लेकर पीटर थील तक ने पैसे निकाले हैं तो यह भी खबर है कि कंपनी के सीईओ से लेकर दूसरे अहम लोग भी अपने शेयर बेच रहे हैं। यह अविश्वास पूरी अर्थव्यवस्था को अपने चपेट में ले सकता है।

वैश्विक भू राजनीतिक और आर्थिक अविश्वास के माहौल में सबसे चिंता की स्थिति भारत में दिख रही है, जहां राजनीतिक और सामाजिक विभाजन दिन प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ कहने की जरुरत नहीं है। यह उपभोग आधारित है तो डेढ़ सौ करोड़ लोगों की अर्थव्यवस्था चलती ही रहेगी और जिस रफ्तार से बढ़ रही है उस रफ्तार से बढ़ती रहेगी। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक विभाजन, अविश्वास देश के सामने बड़ा खतरा बन कर आया है।

देश की राजनीति में कभी भी ऐसी स्थिति नहीं रही थी कि सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों के बीच एक दूसरे के प्रति नफरत का भाव हो। अब पार्टियों के बीच निजी दुश्मनी हो गई है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में पार्टियों के नेता एक दूसरे से दुआ सलाम करने से घबरा रहे हैं कि कहीं उनके शीर्ष नेता ने देख लिया या पता चल गया तो उसके नंबर कट जाएंगे।

अगर पहले सामाजिक विभाजन की बात करें तो इतने गहरे विभाजन की शुरुआत 80 बनाम 20 की राजनीति से हुई थी और यूजीसी के नियमों से अंतिम मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की बात कही लेकिन उनकी पार्टी की नीतियों और नेताओं के बयानों से यह संदेश गया कि भाजपा को 20 फीसदी अल्पसंख्यकों, जिनमें मुस्लिम, सिख और ईसाई तीनों शामिल हैं उनके वोट नहीं चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो खुल कर 80 और 20 की बात कही। उन्होंने बंटोंगे तो कटोगे का नारा दिया। प्रधानमंत्री ने भले ऐसा कोई नारा नहीं दिया लेकिन जब भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया और एक भी मुस्लिम को मंत्री नहीं बनाया गया तो बिना कहे यह सिद्धांत स्थापित हुआ।

मुसलमानों को अलग थलग करने की जो राजनीति शुरू हुई थी उसमें राज्यवार दूसरी चीजें जुड़ती गईं। बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम के साथ साथ यादव को अलग थलग किया गया। हरियाणा में जाट को, महाराष्ट्र में मराठों को, झारखंड में आदिवासियों को अलग थलग किया गया। कहीं गैर यादव पिछड़ी व अन्य जातियों का समीकरण बनाया गया तो कहीं गैर मराठा तो कहीं गैर आदिवासी का समीकरण बनाया गया। अब इस विभाजनकारी राजनीति का अगला मुकाम सामान्य जातियों को अलग थलग करने का है। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के लिए यूजीसी की ओर से जो नियम लाए गए हैं, जिनको भेदभावकारी बता कर सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया है, वो इसी प्रयोग का हिस्सा हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता और उसकी सरकार के मंत्री अब खुल कर कह रहे हैं कि वे देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं। सरकार की पूरी स्कीम ऑफ थिंग्स में से सामान्य जातियों को बाहर कर दिया गया है। इससे सामाजिक स्तर पर इतना अविश्वास बढ़ा है कि जाति पूछ कर यूनिवर्सिटी कैम्पस में छात्रों पर हमले हो रहे हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैम्पस में एक ब्राह्मण पत्रकार की जाति पूछ कर उसके ऊपर हमला किया गया। विपक्ष खास कर राहुल गांधी की बहुजन राजनीति से घबरा कर भाजपा ने यह प्रयोग किया। उसको लग रहा है कि सामान्य जातियां उसको बाई डिफॉल्ट वोट देंगी। लेकिन अब यह वोट का मामला नहीं रह गया है। जहां तक गहरे राजनीतिक विभाजन की बात है तो इसकी शुरुआत 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे से हुई थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने यह नारा दिया था। उसके बाद से भाजपा, उसकी सरकार, उसका पूरा इकोसिस्टम और मीडिया व सोशल मीडिया का पूरा तंत्र इस काम में लग गया कि किस तरह से कांग्रेस शासन की पूरी विरासत को मिटाया जाए, कैसे उसके नेताओं की साख खराब की जाए, कैसे उसे कमजोर किया जाए और कैसे उसे चुनाव हराया जाए। इसके बाद भाजपा ने यह प्रचार शुरू किया कि सिर्फ वही एक अच्छी पार्टी है बाकी पार्टियां भ्रष्ट, परिवारवादी और राष्ट्रविरोधी हैं। चुनाव के समय पहले भी पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ आरोप लगाती थीं। लेकिन भाजपा ने इसे रोजमर्रा का काम बना दिया। 24 घंटे और 365 दिन भाजपा की मशीनरी इस काम में लग गई। पहले तो पार्टियां, नेता और आम लोग भी इसे आश्चर्य की नजर से देखते रहे लेकिन फिर यह मुख्यधारा का राजनीतिक काम बन गया कि एक दूसरे के खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार चले।

अब विपक्षी पार्टियों की सरकारों के नीतिगत फैसलों और नेताओं के निजी चरित्र को लेकर लगातार आलोचना चलती रहती है। लगातार 12 साल प्रधानमंत्री रहने के बाद भी नरेंद्र मोदी कांग्रेस की पहले की सरकारों और नेताओं की कमियां बता कर वोट मांगते हैं। संसद में खड़े होकर भाजपा के सांसद कांग्रेस के पुराने नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों को 'गद्दार' और 'अय्याश' बोलते हैं। विपक्ष के मौजूदा नेतृत्व को 'पप्पू', 'टुकड़े टुकड़े गैंग', 'देश विरोधी', 'सनातन विरोधी', 'टोंटी चोर', 'चारा चोर' आदि कहा जाता है। जवाब में दूसरी तरफ से भी सत्तापक्ष के नेताओं के लिए इसी तरह के विशेषणों का प्रयोग होने लगा है।

'तड़ीपार' और 'चौकीदार चोर है' से शुरू हुआ प्रचार 'कॉरपोरेट के नौकर', 'देश बेचने वाले' और 'ट्रंप के गुलाम' तक पहुंच गया है। ऐसा नहीं है कि नेता इसे राजनीतिक बयानबाजी भर मान रहे हैं। वे इसे सच मानते हैं और उनके निजी संबंध भी इसी से निर्धारित हो रहे हैं। चूंकि सभी पार्टियों के नेता खास कर भाजपा में ज्यादातर नेता बिना राजनीतिक आधार वाले हैं इसलिए वे अपने पार्टी नेतृत्व की ओर से कही गई बात को ब्राह्म वाक्य मान कर दोहराते रहते हैं। सभी नेताओं का एकमात्र काम अपने नेतृत्व को खुश करना हो गया है। इसके लिए वे विरोधी नेताओं के बारे में अनाप शनाप बोलते रहते हैं। उनके बीच इस बात का कंपीटिशन है कि विरोधी नेता के लिए कौन ज्यादा अपमानजनक बात कह सकता है। अपने विरोधी नेताओं के प्रति अपमान का भाव ही भारतीय राजनीति की पहचान बन गई है।

हेल्दी और फिट रहना है तो पिएं टमाटर सूप

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। आइए, जानते हैं टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे

हड्डियों के लिए फायदेमंद
टमाटर सूप में विटामिन के और कैल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त
टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी
टमाटर सूप में विटामिन इ और ए अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन इ और 20% विटामिन ए की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम
टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम
टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण
डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाएं
टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

शरीर को ब्रेकफास्ट वाली एनर्जी देती है किशमिश

बहुत से लोगों को सुबह उठने के बाद सुस्ती महसूस होती है, ऐसे में जागते तो हैं लेकिन थोड़ी ही देर बाद नींद आने लगती है। अगर आप सुबह पूरी एनर्जी के साथ उठना चाहते हैं तो किशमिश आपके रूटीन को बेहतर बना सकती है।

सुबह-सुबह उठना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके रूटीन में सुबह जल्दी उठने की आदत है तो समझिए आपके सारे काम सही तरीके से बनते हैं। साथ ही आप तमाम तरह की सेहत संबंधी समस्याओं से भी दूर रहेंगे। हालांकि, मौजूदा दौर में इस आदत को बहुत कम लोग फॉलो कर पाते हैं। वजह साफ है, देर रात तक उनका वर्क या फिर किसी भी कारण जागना। ऐसे में अगर आप सुबह जल्दी उठते हैं तो शरीर में एनर्जी नहीं रहती, लिहाजा आप फिर सो जाते हैं। लेकिन डायटीशियन और स्किन डॉक्टर श्रेया ने हाल इस समस्या के समाधान का एक रास्ता निकाला है जिसे फॉलो कर आप आसानी से सुबह उठने की आदत डाल सकते हैं। श्रेया के अनुसार, किशमिश का सेवन कर आप सुबह एनर्जी के साथ उठ सकते हैं।

सुबह के वक्त क्यों खानी चाहिए भीगी किशमिश

डायटीशियन- डॉक्टर श्रेया ने हाल ही में सुबह जल्दी उठने और भीगी हुई किशमिश खाने को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वे क्यों सुबह जागने के बाद किशमिश खाती हैं। डॉक्टर पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, 'मैं यहां एक डीएम यानी Direct Message का जवाब दे रही हूं। किसी ने मुझसे पूछा कि मैंने अब भीगी हुई किशमिश खाना क्यों शुरू कर दिया है? क्या मैं एक रात का उल्लू और अरली वर्ड यानी सुबह की सैर करने वाली पक्षी बन रही हूं।'

किशमिश ऊर्जा, सूक्ष्म पोषक तत्वों - विटामिन बी, सी, आयरन, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट जैसे फेरुलिक एसिड, क्वेरसेटिन आदि से भरपूर होती है। इसके अतिरिक्त, इसमें आयरन, कैल्शियम और बोरॉन जैसे ट्रेस एंटीऑक्सिडेंट और खनिजों के साथ कुछ मात्रा में आहार फाइबर भी होते हैं। किशमिश मूल रूप से सूखे अंगूर हैं। इसलिए, वे अंगूर के अधिकांश पोषक तत्वों को बरकरार रखते हैं। आमतौर पर, साधारण चीनी के रूप में कार्बोहाइड्रेट, किशमिश का प्राइमरी कंपोनेंट होता है। किशमिश सुबह की भूख को दूर रखने में भी सहायक है! भिगोने के बाद फाइबर इसमें एक प्राकृतिक रेचक के रूप में कार्य करता है। यह हमें तब तक ऊर्जा प्रदान करता है, जब तक हमारा नाश्ता तैयार नहीं हो जाता।

डायटीशियन कहती हैं कि जब आप अपने दिन की शुरुआत 5-6 भीगी हुई किशमिश खाने से करते हैं तो छोटी सी हैबिट आपके स्वस्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होती है। बकौल डॉक्टर, 'मैं नहीं चाहती कि ऐसा हो, क्योंकि मैं अपनी लाइफ स्टाइल में सुबह उठने के रूटीन को फॉलो कर रही हूं, इसलिए मुझे अपनी बॉडी को ट्रेंड करने, अपने पेट के लिए एक नई घड़ी सेट करने, अपने पाचन तंत्र को संदेश देने की जरूरत है कि 'अरे, इसकी आदत डाल लें। किशमिश के एक छोटे से आहार के जरिए मैं नए समय में ढलने की कोशिश में हूं। यह मूल रूप से मेरे सिस्टम के लिए एक एक्टिवेटर की तरह काम करती है, यह मेरे पाचन तंत्र को जगाती है और इसके माध्यम से मेरा पूरा शरीर थोड़ी सी ऊर्जा के साथ जाग जाता है।' डॉक्टर ने कुछ ऐसे सवालों के जवाब दिए जो आपके दिमाग में अक्सर रहते हैं। वह कहती हैं कि 'इन सभी वर्षों के लिए मेरी सर्कैडियन राइम दिन के बाद के वक्त के अनुसार निर्धारित की गई थी। जैसे मैं देर से उठती हूं तो देर से खाती हूं इसलिए स्वाभाविक रूप से देर से पचाती हूं, देर से सोती हूं और फिर उठती भी देर से हूं। अगले दिन और परसों इसी समयनुसार रूटीन चलता रहा है। मेरा शरीर इन समयों से अच्छे से परिचित है और अब इसे काफी पसंद करती हूं, क्योंकि इस रूटीन में सालों से ढल चुकी हूं। अगर मैं अपने खाने की आदतों में बदलाव किए बिना अचानक जल्दी उठना शुरू कर दूं, तो शरीर इसे लड़ने की कोशिश तो करेगा, क्योंकि यह बिना किसी फ्यूल यानी आहार के थक जाएगा और अंत में, मैं जल्दी उठने की आदत को छोड़ सकती हूं।'

भीगी किशमिश खाने के फायदे

- ये एनर्जी का पावरहाउस है।
- भीगी हुई किशमिश ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करती है।
- इसे खाने से हमारा पाचन तंत्र हेल्दी रहता है।
- सुबह सुबह इसे खाने इम्यून सिस्टम भी बूस्ट रहता है।
- हड्डी के स्वास्थ्य के लिए भी भीगी हुई किशमिश बेहतर फूड है।
- एनीमिया को ठीक करने में मददगार है।
- किशमिश कमजोर लोगों के वजन बढ़ाने में भी मददगार है।
- सुबह फुर्ती के साथ जागना है तो खाएं किशमिश

सेहत और सौन्दर्य लाभ देता है ओट्स का नियमित सेवन

ओट्स यानी कि जौ या जई, एक प्रकार का खाद्य प्रदार्थ है, जिसे बहुत सारे अनाज को मिलाकर बनाया जाता है। ओट्स में कैल्शियम, फास्फोरस और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, इसलिए ये शरीर को कई प्रकार से फायदा करता है। आइए, जानते हैं ओट्स का नियमित सेवन कौन से सेहत और सौन्दर्य लाभ देता है -

- कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी से भरपूर ओट्स आपके नर्वस सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और आपको स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।
- ओट्स में पाया जाने वाला इनोजिटॉल रक्त में वसा के स्तर को नियंत्रित करता है, और उसे बढ़ने नहीं देता। यह शरीर में उपस्थित अतिरिक्त वसा को भी कम करता है।
- ओट्स पेट संबंधी रोगों में भी काफी लाभ देता है। यह कब्ज को दूर कर, पेट खराब होने की समस्या से निजात दिलाने में सहायक है।
- प्रतिदिन अपने नाश्ते या खाने में ओट्स को शामिल करने से डाइबिटीज की समस्या में लाभ होता है, क्योंकि यह इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक होता है।
- आपकी त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए भी ओट्स आपकी मदद कर सकता है। इससे बना फेस पैक चेहरे पर लगाने से त्वचा कोमल और स्वस्थ बनती है।
- ओट्स के चोकर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो जल्दी पेट भरने के साथ-साथ आपके शरीर में उर्जा संचार करता है, और यह वजन कम करने में बेहद लाभप्रद है।
- कैंसर से बचाव के लिए ओट्स का प्रयोग किया जा सकता है। इसके प्रयोग से हृदय रोग होने का खतरा भी कम होता है क्योंकि यह हृदय की धमनियों में वसा को जमने से रोकता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ने के कारण होने वाली समस्याओं जैसे चक्कर आना, दिल घबराना जैसी समस्याओं में ओट्स फायदेमंद है, क्योंकि इसकी प्रकृति ठंडी होती है।
- रूखी त्वचा या एक्जिमा जैसी तकलीफ में भी ओट्स सहायक होता है। ओटमील बाथ लेने से त्वचा की जलन समाप्त होती है और रूखापन भी खत्म हो जाता है।
- ओट्स को दूध में मिलाकर बनाए गए स्क्रब का प्रयोग करने से त्वचा की चमक बढ़ जाती है, और त्वचा लंबे संमय तक जवां और खूबसूरत दिखाई देती है।

इस मौसम में आपको अपनी डाइट में कुछ चीजें जरूरी रूप से शामिल करनी चाहिए। हम बात कर रहे हैं कुछ ऐसे मसालों के बारे में जिन्हें इस मौसम में खाने पर आप कई कई बीमारियों से बच सकते है

डाइट में शामिल करें ये मसाले कई बीमारियों से बचेंगे

काली मिर्च
काली मिर्च आपको सर्दी, खांसी, कफ, पाचन संबंधी समस्याओं से बचा सकती है साथ ही यह म्यूकस को शरीर से बाहर निकालने में भी काफी मददगार साबित होती है।

दालचीनी
दालचीनी का सेवन इस मौसम में गला खराब होने से तो बचाएगा ही, कफ को निकालने में भी मदद करेगा। यह प्राकतिक तौर पर शरीर में गर्माहट पैदा करने में सहायक है जिससे आप सर्दी जनित समस्याओं से बच जाते हैं।

हल्दी
हल्दी इन दिनों में गर्माहट का अच्छा स्त्रोत है और यह एंटी बैक्टीरियल व एंटी फंगल गुणों से भरपूर है। गर्म दूध में हल्दी का सेवन तो अमृत के समान माना गया है।

अदरक
अदरक वाली चाय का मजा ही कुछ और होता है। इन दिनों में इसके फायदे भी आपके लिए दुगुने होते हैं, क्योंकि यह न केवल शरीर को गर्माहट देती है बल्कि मौसम की बीमारियों से आपको बचाती है। सूखी अदरक यानि सौंठ का सेवन भी इस मौसम में लाभकारी है।

लहसुन
लहसुन को भून कर खाने से सर्दी ठीक होती है, यह तो दादी मां के नुस्खों में से एक है। ऐसे कई फायदों में लहसुन से मौसमी बीमारियों का बचाव भी शामिल है।

अगर आप एक महिला हैं। घर-ऑफिस की जिम्मेदारी बराबर से संभाल रही हैं, तो समय आ गया है कि आप अपनी सेहत पर ध्यान दें। क्योंकि अब स्थिति पहले जैसी नहीं रही। कहीं ऐसा ना हो, कि भागदौड़ और काम के दबाव के चलते आप हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारी की गिरफ्त में आ जाएं। सुनकर थोड़ी हैरत होगी, लेकिन यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि एक स्टडी में सामने आई है।

फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं को हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा

यूरोपीय स्ट्रोक संगठन में पेश किए गए एक अध्ययन के अनुसार, महिलाओं में काम के दबाव और नींद की कमी के चलते हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ रहा है। आमतौर पर डायबिटीज , आरटियल हाइपरटेंशन, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल , धूम्रपान और मोटापा हृदय रोग के जोखिम में शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार, वर्क प्रेशर, तनाव, नींद संबंधी विकार के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले पुरूषों के मुकाबले महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे हैं। स्टडी के ऑथर कहते हैं कि परंपरागत रूप से पुरूषों को महिलाओं की तुलना में दिल के दौरे और स्ट्रोक से ज्यादा प्रभावित माना जाता है। लेकिन अब कुछ देशों में इस मामले में महिलाओं ने पुरूषों को पीछे छोड़ दिया है। अब काम का तनाव महिलाओं को दिल की बामारी की चेतावनी का संकेत दे रहा है।

तनाव और थकावट है कारण
अध्ययन में पाया गया कि भले ही पुरूषें में महिलाओं की तुलना में धूम्रपान करने और माटे होने की संभावना ज्यादा थी, लेकिन हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले सबसे ज्यादा महिलाओं में देखे गए। यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल ज्यूरिख के न्यूरोलॉजिस्ट और उनकी टीम का कहना है कि महिलाओं में इन गंभीर बीमारियों में वृद्धि होने की वजह वर्कप्लेस पर ज्यादा काम का तनाव, नींद संबंधी विकार और थकावट है। चौकाने वाली बात ये है कि इन बीमारियों का जोखिम फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं में सबसे ज्यादा देखा गया है। टीम के अनुसार, ऑफिस में फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं पर घर और ऑफिस की जिम्मेदारी निभाने का दबाव उन महिलाओं के मुकाबले ज्यादा रहता है, जो तीन से चार घंटे की नौकरी करती हैं।

थकान और नींद संबंधी विकारों में हुई वृद्धि
रिसर्चर्स ने 2012, 2017 और 2020 के स्विस हेल्थ सर्वे में 22000 महिलाओं और पुरूषों के डाटा की तुलना की। इसमें उन्होंने पाया कि कार्डियोवस्कुलर डिसीज के लिए गैर पारंपरिक जोखिम वाले कारकों की रिपोर्ट करने वाली महिलाओं की संख्या में खतरनाक रूप से वृद्धि हुई। कुल मिलाकर काम के दौरान स्ट्रेस लेने वाले पुरूष और महिलाओं की संख्या 2017 में 59 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 66 प्रतिशत हो गई। जबकि काम के बाद थकान महसूस करने वालों की संख्या 23 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई। इस अवधि में नींद संबंधी विकारों की संख्या 24 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई। नींद संबंधी विकार के मामले जहां पुरूषों में 5 प्रतिशत बढ़े, वहीं महिलाओं में 8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

इस रिसर्च के बाद यह तो साफ है कि अब हार्ट अटैक और स्ट्रोक पुरूषों से जुड़ी बीमारी नहीं रही, बल्कि अगर ध्यान न दिया जाए, तो काम के दबाव के चलते महिलाओं में भी इन गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे हालातों से बचने के लिए महिलाओं को काम करते हुए कम तनाव और अच्छी नींद लेने की बहुत जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

अजित साहू बने युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी छपोरा मंडल अध्यक्ष

सक्ति //समय दर्शन // भारतीय जनता पार्टी जिला सक्ती अंतर्गत युवा मोर्चा की मंडल स्तरीय नियुक्ति की घोषणा की गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष सक्ती टिकेश्वर सिंह गबेल तथा जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा सक्ती आलोक पटेल की अनुशंसा पर ग्राम पंचायत मरघट्टी निवासी अजित साहू को युवा मोर्चा, छपोरा मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति की जानकारी सामने आते ही क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल देखा गया। पार्टी पदाधिकारियों ने अजित साहू को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त होगा तथा पार्टी की नीतियों और योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएगा। नवनियुक्त भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष छपोरा एवं अजित साहू ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने तथा समाज हित में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

न्यायालय ने हत्या के आरोपी को सुनाई अजीवन कारावास की सजा

बालोद। जिला एवं सत्र व्यवहार न्यायालय के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश किरण कुमार जांगड़े ने हत्या के एक प्रकरण में आरोपी बालक राम बांका (उम्र 34 वर्ष), निवासी ग्राम रजही, थाना राजहरा, को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड तथा धारा 201 के तहत 3 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

शत्रुहन लाल रावट ने 23 नवंबर 2022 को थाना राजहरा में सूचना दी कि उसका पुत्र कामता प्रसाद 22 नवंबर 2022 की सुबह राजमिस्त्री कार्य के लिए राजहरा गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। मोबाइल फोन बंद मिलने पर परिजनों ने खोजबीन की। अगले दिन सुबह सचना मिली कि कामता प्रसाद का शव पथराटोला खार स्थित दीपक भुआर्य के खेत में पड़ा है।

घटनास्थल पर पहुंचने पर मृतक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। उसके गले में गमछा लिपटा हुआ था तथा शरीर पर चोट के निशान थे। पास ही उसकी साइकिल, चप्पल, टोपी व अन्य समान मिला। मार्ग जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि मृतक की हत्या गला दबाकर की गई थी।

जांच में सामने आया कि आरोपी बालक राम बांका को अपनी पत्नी और मृतक के बीच अवैध संबंध का संदेह था, जिसके चलते पुरानी रंजिश में उसने अपने साथी रूमन लाल भुआर्य के साथ मिलकर रास्ता रोककर मारपीट की और गमछे व कपड़े की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 425/2022 के तहत धारा 302/34, 341 एवं 201 भादंवि के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना पूरी कर 14 मार्च 2023 को न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

स्कूली बच्चों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) हेतु विशेष अभियान जारी

दुर्ग/ कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में आधार कार्ड के सुदृढ़ीकरण और बच्चों के डेटा अपडेशन के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (मेन्डेटरी बायोमेट्रिक अपडेट -एमबीयू) अभियान चलाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान में जिले में कुल 23,905 मामले लंबित हैं, जिन्हें समय सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले चार महीनों से विभिन्न स्कूलों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से अब तक 50,000 से अधिक बच्चों का सफलतापूर्वक बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है।इस अभियान की समग्र प्रगति आकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2025 से फरवरी 2026 तक जिले में कुल 1,549 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से 52,742 बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पूर्ण किया गया है। इसके अतिरिक्त, 495 नए आधार कार्ड बनाए गए हैं और 7,047 अन्य आधार सुधार (अदर अपडेशन) के कार्य भी संपन्न किए गए हैं। फरवरी माह की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, 16 फरवरी 2026 से पुन: शुरू हुए विशेष शिविरों के जरिए अब तक 4,871 बच्चों का एम.बी.यू. और 339 बच्चों का आधार अपडेट किया गया है।

बचेली थाना परिसर में ग्राम रक्षा समिति गठन को लेकर बैठक आयोजित!

उद्देश्यः थाना क्षेत्र के सभी गॉवों में शांति, सुरक्षा और सहयोग की भावना को सुदृण करना!

एस एच अज़हर/ दंतेवाड़ा। लौह नगरी बचेली में शांति एवं कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव रॉय के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन व जितेंद्र खूंटे के मार्गदर्शन में बचेली थाना परिसर में ग्राम रक्षा समिति के गठन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र में किसी भी प्रकार के विवाद, आपसी मतभेद, सुरक्षा, या कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्या उत्पन्न होने की स्थिति में त्वरित एवं सामूहिक सहयोग/समाधान सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि ग्राम रक्षा समिति के गठन का उद्देश्य ग्रामीणों

की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपराधों की रोकथाम, आपसी समन्वय और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखना है। समिति के सदस्य्य पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर गांव में शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर बड़े बचेली पंचायत के सरपंच गोविंद कुंजाम एवं पंचायत के पंचगण उपस्थित रहे। वहीं तहसीलदार महेश कश्यप एवं पुलिस विभाग की ओर से एसडीओपी कमलजीत पाटले तथा थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू विशेष रूप से मौजूद रहे।

अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की आशंका या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें, जिससे समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

बैठक का समापन आपसी सहयोग और समन्वय के संकल्प के साथ किया गया। स्थानीय लोगों ने भी ग्राम रक्षा समिति के गठन का स्वागत करते हुए पुलिस प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संकुल केंद्र डी डी एस बिर्रा के सभी पूर्व माध्यमिक शालाओं के शिक्षकों ने किया विज्ञान मेला का आयोजन

संकुल केंद्र डीडीएस बिर्रा के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, पालक गण, स्स्ष्ट सदस्य भी उपस्थित रहे

बिर्रा।// समय दर्शन // राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अनुभवात्मक एवं प्रयोग आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संकुल केंद्र डी डी एस बिर्रा के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सोनादह,के.जी.बी.ह्वी.बिर्रा एवं शास.पूर्व माध्य. शाला डीडीएस बिर्रा आदि सभी विद्यालयों में विज्ञान मेले का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक अवधारणाओं पर आधारित स्टॉल लगाकर अपनी समझ, जिज्ञासा और रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

विज्ञान मेले के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अम्ल एवं क्षार, विद्युत परिपथ, सुचालक एवं अचालक, पृथक्करण की विधियाँ, चुंबक के गुण तथा सूक्ष्मदर्शी के माध्यम से कोशिकीय संरचना के अवलोकन जैसे विषयों पर गतिविधि आधारित प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने स्वयं प्रयोग करके न केवल अवधारणाओं को समझा, बल्कि उपस्थित शिक्षकों एवं अन्य विद्यार्थियों को भी सरल भाषा में समझाया गया। मेले का वातावरण पूर्णत: शिक्षण-अधिगम की प्रयोगशाला में परिवर्तित दिखाई दिया। जहाँ पर बच्चों की जिज्ञासा, आत्मविश्वास और तार्किक सोच स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। यह आयोजन श्रीमती रत्ना थवाईत विकासखंड शिक्षा अधिकारी बम्हनीडीह, हीरेंद्र बेहार विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (BRCC), संकुल समन्वयक (CAC), संकुल प्राचार्य(CRC), संस्था प्रमुख, एवं विज्ञान शिक्षकों के मार्गदर्शन और सक्रिय सहयोग से विज्ञान मेला का यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उनके समन्वित प्रयासों से विद्यालयों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं प्रयोग आधारित शिक्षण को सशक्त आधार मिला है। विज्ञान मेले ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन, विश्लेषण क्षमता तथा संवाद कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है। इस प्रकार का आयोजन न केवल विज्ञान विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करता है, बल्कि बच्चों को कर-करके एवं परखने और सीखने की दिशा में भी प्रेरित करता है।

इस अवसर पर श्रीमती रत्ना थवाईत विकासखंड शिक्षा अधिकारी बम्हनीडीह,श्री एच.के.बेहार विकासखंड समन्वयक बम्हनीडीह, संकुल प्रभारी श्री राकेश कुमार साहू, संकुल समन्वयक श्री लखन लाल कश्यप, प्रधान पाठक श्रीमती सशिता तिग्गा,अधीक्षिका श्रीमती पुष्पा पटेल एवं सभी विज्ञान विषय के शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विज्ञान मेला के लिए बच्चों को विशेष मोटिवेट करने के उपलक्ष में विज्ञान शिक्षक श्री रम्हैया लाल कश्यप एवं श्री राम कुमार सिदार जी को विज्ञान संदर्भ मैग्जीन भेंट सुनील कुमार कुर्रे पूर्व संकुल प्रभारी एवं लखन लाल कश्यप संकुल समन्वयक संकुल केंद्र डीडीएस बिर्रा ने किया है।

संकुल स्तरीय विज्ञान मेला का आयोजन सिवनी

जांजगीर // समय दर्शन // विज्ञान दिवस के अवसर पर जिला परियोजना समन्वय राजीव गांधी शिक्षा मिशन जांजगीर के आदेशानुसार संकुल केंद्र सिवनी विकास खंड बलौदा में संकुल स्तरीय विज्ञान मेला का आयोजन किया ।उक्त बातों की जानकारी देते हुए प्रभारी शिक्षक अशोक तिवारी ने बताया कि विज्ञान में आविष्कार,अन्वेषण, प्रयोग और करके सीखने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह मेला आयोजित किया गया जिसमें शासकीय और अशासकीय दोनों मिलाकर आठ स्कूलों के 50 बच्चों ने भाग लिया और अलग अलग विषयों पर सभी ने शिक्षण सामग्री था कीट के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांतों को करके बताया। इसी कड़ी में कन्या पूर्व मा शाला सिवनी के बच्चों ने पवन चक्की की कार्य

पद्धति, पारदर्शी अपारदर्शी को बताया ।बालक पूर्व मा शा सिवनी के बच्चों ने जलशोधक,वायुदाब,और जनरेटर के चलने को प्रयोग द्वारा समझाया ,पूर्व मा बालपुर के बालिकाओं ने श्वसन तंत्र,पादप कोशिका,रक्त परिसंचरण को टी एल एम के द्वारा बताए ।सरस्वती शिशु मंदिर के बालकों ने आर्कमिडीज के सिद्धांत में पानी जहाज के चलने की विधि, वायु प्रदूषण के कारण नुकसान और बचाव को था नर्मदा इंग्लिश स्कूल के बच्चों ने ज्वालामुखी के कारण ,शैवाल को प्रयोग द्वारा समझाया विवेकानंद मॉडल कांवेंट से जल चक्र को बताया गया कि कैसे जल का वाष्पीकरण ,संघनन,वर्षा अवशोषण होता है। गुरुकुल के बच्चों ने सोलर कुकर के माध्यम से विभिन्न अनाजों के पकने की विधि को प्रस्तुत किया। सभी स्कूल के विज्ञान शिक्षकों के सहयोग से बच्चों ने विज्ञान को करके सिखा और सीखकर संकुल में अपनी समझ के अनुसार प्रस्तुति करण किए। विभिन्न स्कूलों से आए बच्चे और शिक्षकों ने भी एक दूसरे स्कूल की सामग्री और उनकी प्रस्तुति से विज्ञान के बारे में रोचक जानकारी प्राप्त किया। आयोजन के बाद सभी के लिए संकुल की ओर से भोजन की व्यवस्था की गई। इस मेला को सफल बनाने में राजू प्रसाद देवांगन, उदय देवांगन, किरण महतो, उमेश गिरी गोस्वामी, यशवंत देवांगन, घनश्याम शुक्ला, दिनेश यादव, गणेश्वर यादव, निधि तिवारी, रमेश चौहान, ज्योतिदास महंत,गायत्री देवांगन सहित संकुल के सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों के शिक्षकों का सहयोग सराहनीय रहा

जिस घर में माता पिता का अपमान होता है वहाँ धर्म व प्रभु का वास नहीं होता - नरेंद्र नयन शास्त्री

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के अतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक स्थल सिलयारी धाम के आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री चाय वाले बाबा का ज्ञान यज्ञ इन दिनों चंडी मंदिर शिव पारा में चल रही है। 21 फरवरी से 1 मार्च तक आयोजित इस कथा में लोगों के भूत और भविष्य को एक मुट्ठी चावल और जसवंत के लाल फूल से बतायी जाती हैं। कथा में उमड़ रही भीड़ इस बात का प्रमाण है कि लोग अपनी परेशानियों को दूर करने के लिए इस धार्मिक आयोजन में भाग ले रहे हैं। चाय वाले बाबा, जिनका नाम सुनते ही लोगों के मन में विश्वास और श्रद्धा का संचार होता है, हर दिन सैकडों की संख्या में श्रद्धालुओं को अपने अद्भुत अनुभवों से चमत्कृत कर रहे हैं। वे विशेष रूप से लोगों की तकलीफों को दूर करने में मदद कर रहे है. जिसके

कारण हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक रहता है।

आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री जी ने बताया कि कलयुग का प्रभाव ये है कि लोग गौ सेवा नहीं हो रही है, मां-बाप की सेवा नहीं हो रही है, मा-बाप को मंदिर नही ले जाते है, परंतु कुत्ते को घुमाने ले जाते है, ऐसे में कैसे सनातन की रक्षा होगी। शास्त्री जी ने दान की महिमा बताते हुए बताया कि जीवन में दान करते रहना चाहिए दान के बिना जीवन में कोई सार नहीं है दुनियां में सबसे बड़ा दानी कर्ण है जिसने श्री कृष्ण को अपने घर के चौखट एवं बिस्तर की चंदन लकड़ी भेट कर दी। कौरव व पाण्डव दोनों के पक्ष में धर्म के अवतार थे पाण्डवो के पक्ष में युधिष्ठिर व कौरव के पक्ष में विधुर धर्म के अवतार थे, परंतु कौरव के पक्ष में हमेशा धर्म का अपमान होता था घर में माता-पिता का अपमान होता था ऐसे घर में कभी धर्म का और प्रभु का वास नही हो सकता है, तो निश्चित पतन प्रारंभ हो जाता है। मनुष्य को अपने कर्मो पर अधिक ध्यान देना चाहिए, कर्म अच्छा है तो धन भी अच्छे रास्ते में लगेगा, सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए और भोजना हमेशा आराम से चबाकर करना चाहिए। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भक्तों को धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ जीवन के सही मार्ग पर चलने के प्रेरणा देने के उद्देश्य से किया गया है। इस आयोजन ने क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार किया है, और इसके माध्यम से हर व्यक्ति अपनी परेशानियों से निजात पाने की उम्मीदें लेकर कथा स्थल पर पहुंच रहा है।

आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री जी की कथा में गूंजते भक्ति भाव व चमत्कारी आशीर्वाद ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया है।

धार्मिक श्रद्धा और विश्वास से भरा यह आयोजन चंडी मंदिर शिव पारा में 1 मार्च तक जारी रहेगा, और भक्तों का जन सैलाब इसी तरह बढ़ता रहेगा।

दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को दूर कर रही हैं मोबाइल मेडिकल यूनिट्स; 2400 से अधिक शिविरों में 40,000 से ज्यादा मरीज हुए लाभान्वित

रायपुरः ग्रामीण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (क्क्र-छ्वहृल्ह्र) के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (स्ल्ह्य) ने राज्य के सुदूर और नक्सल प्रभावित जिलों में 2400 से अधिक चिकित्सा शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। राज्य में पीएम-जनमन परियोजना के परियोजना निदेशक चेतन शर्मा ने बताया कि अब तक प्रदेश भर में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से 40,000 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन एम्बुलेंसों के जरिए मरीजों को उचित उपचार और परामर्श प्रदान किया गया है। शर्मा ने आगे जानकारी दी कि 57 एमबीबीएस डॉक्टरों, इतनी ही संख्या में नर्सों और लैब तकनीशियनों की मेडिकल टीमें मौसमी बीमारियों से

लेकर पुरानी बीमारियों तक, विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों का समाधान कर रही हैं। आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित ये एमएमयू (MMU) 'पहियों पर अस्पताल' के समान हैं, जो 25 प्रकार के लैब परीक्षणों की सुविधा दे रहे हैं। ये इकाइयाँ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) के लिए वरदान साबित हो रही हैं।

एमएमयू द्वारा उपचार की जाने वाली प्रमुख बीमारियाँः इन इकाइयों द्वारा मुख्य रूप से त्वचा रोग (जैसे दाद, खुजली, बैक्टीरियल वेजिनोसिस, यीस्ट इन्फेक्शन, ट्राइकोमोनिएसिस आदि), गैर-संचारी रोग (ह्ष्टछ्वह्य) जैसे हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) और मधुमेह का प्रबंधन, तथा संक्रमण (वायरल बुखार, टाइफाइड और अन्य सामान्य बीमारियाँ) का इलाज किया जा रहा है।

परियोजना निदेशक ने बताया कि इसके अतिरिक्त, एमएमयू प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवा, मातृ देखभाल, प्रसव पूर्व देखभाल (Antenatal Care), उच्च जोखिम वाले गर्भधारण की पहचान और रेफरल, तथा प्रसवोत्तर जांच (Post-natal Check-up) की सुविधा भी प्रदान कर रहे हैं।

इसी तरह, ये इकाइयाँ बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित सेवाएं भी दे रही हैं, जिसमें कुपोषण की स्क्रीनिंग, परामर्श, और बचपन की सामान्य बीमारियों जैसे डायरिया, एआरआई (ऋह्व)/निमोनिया, अस्थमा और खसरे से जुड़ी जटिलताओं का उपचार शामिल है। परियोजना निदेशक के अनुसार, मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ने विशेष रूप से दुर्गम इलाकों और संवेदनशील क्षेत्रों को लक्षित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। कवर किए गए क्षेत्रों में शामिल हैं:

नारायणपुर और ओरछा; बड़े राजपुर (कोंडागांव); कुसमी और शंकरगढ़ (बलरामपुर); अंतागढ़ और भानुप्रतापपुर (कांकेर); बोडला (कबीरधाम); मैनपुर, देवभोग और छुरा (गरियाबंद); नगरी (धमतरी); पाली और पौड़ी उपरोड़ा (कोरबा), गौरेला (जीपीएम) और पिथौरा।

कलेक्टर-एसपी ने होली पर्व शांति एवं सौहार्द्र के साथ मनाने की अपील की

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन // कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने आगामी 4 मार्च को मनाए जाने वाले होली पर्व को शांति, सौहार्द्र एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील जिलेवासियों से की है।

कलेक्टर श्री महोबे ने हर्षोल्लास के साथ होली मनाते हुए जिले में आदर्श वातावरण बनाए रखने हेतु जिला एवं पुलिस प्रशासन को सहयोग देने अपील की है। उन्होंने होली समितियों एवं नागरिकों से अपील की है कि विद्युत तारों के नीचे, ट्रांसफार्मर के समीप तथा डामर की सड़कों पर होलिका दहन न करें, क्योंकि इससे दुर्घटना की आशंका एवं सड़कों को क्षति पहुंचती है। यदि किसी स्थान पर सड़क पर ही होलिका

दहन अपरिहार्य हो, तो पहले मुरूम की परत बिछाकर उसके ऊपर ही होलिका सजाई जाए।

कलेक्टर ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि रंग-गुलाल एवं पिचकारी की दुकानों द्वारा सड़क पर लगाकर यातायात बाधित न किया जाए। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से उन्होंने हरे-भरे पेड़ों को न काटने तथा होलिका दहन हेतु सूखी लकड़ियों का ही उपयोग करने की अपील की है। पेड़ों की कटाई करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय ने कहा है कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द्र के साथ शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि जबरन रंग न लगाएं, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं तथा तेज गति से वाहन चलाने से बचें।

उन्होंने होली के दौरान मुखौटा लगाकर सड़क या वाहन चलाने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने तथा वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगाने से परहेज करने को कहा है। होलिका दहन एवं होली के दिन जिले में पुलिस की अतिरिक्त टीमें तैनात रहेंगी। बाइक पेट्रोलिंग, मोबाइल पार्टी, डायल-112 सेवा एवं सादी वर्दी में पुलिस बल की विशेष व्यवस्था की गई है।

सार्वजनिक स्थानों पर कानून-व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

मुंगेली जिले में शिक्षा विभाग के कारनामे एक के बाद एक केंद्र सरकार की योजना रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा की राशि भी जारी नहीं की गई, लगातार दूसरे वर्ष भी अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को नहीं मिल पाया प्रशिक्षण

मुंगेली (समय दर्शन) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कि मंशा रूप राष्ट्रव्यापी अभियानों के तहत केंद्र सरकार ने हमेशा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एवं महिला सशक्ति करण और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा योजना का शुभारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य हमारी बेटियों को आत्मरक्षा के गुण सिखाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना खासकर अध्ययनरत छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने के लिए बनाई गई थी, ताकि वे अपनी सुरक्षा को लेकर आत्मविश्वास से भरी हुई महसूस करें।हालाँकि, मुंगेली जिले में इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत पिछले दो वर्षों से कोई प्रशिक्षण नहीं कराया गया है। योजना की राशि भी स्कूलों को समय पर जारी नहीं की जा रही है, जिससे बच्चों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिक्षा विभाग की लापरवाही और उदासीनता निष्क्रियता के कारण मुंगेली जिले में यह योजना पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। प्रशासन न तो समय पर कार्य योजना तैयार कर पा रहा है, और न ही निर्धारित राशि को निर्धारित समय सीमा में स्कूलों तक पहुँचा रहा है।रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा योजना का उद्देश्य केंद्र सरकार ने रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा योजना को बेटियों की सुरक्षा और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया था। यह योजना खासतौर पर 6वीं से 12वीं कक्षा तक की अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए है,।जो विद्यालयों में आत्मरक्षा की ट्रेनिंग प्राप्त करती हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से लड़कियों को ऐसे गुण सिखाए जाते हैं, जो उन्हें किसी भी संकट की स्थिति में खुद को बचाने की क्षमता प्रदान करें। आत्मरक्षा के प्रशिक्षण में शारीरिक अभ्यास, मानसिक दृढ़ता, और विभिन्न खतरों से निपटने की क्षमता शामिल होती है।इसके अलावा,यह योजना शिक्षा क्षेत्र में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है और उनके लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करती है। सरकार की तरफ से निर्धारित राशि हर वर्ष स्कूलों को दी जाती है, ताकि वे आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन कर सकें और हर लड़की को इस योजना का लाभ मिल सके।मुंगेली जिले में निष्क्रियता और उदासीनता मुंगेली जिले में पिछले दो साल से यह योजना निष्क्रिय पड़ी हुई है। सरकार द्वारा आवंटित राशि न तो समय पर जारी की जाती है, और न ही इसकी उपयोगिता पर ध्यान दिया जाता है। जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण यह राशि स्कूलों तक पहुँचने से पहले ही किसी न किसी बहाने से खत्म हो जाती है। कुछ स्कूलों को राशि दे दी जाती है, लेकिन सत्र के अंत में यह राशि लैप्स (अवधि समाप्त हो जाना) हो जाती है, और फिर स्कूल प्रमुखों के माथे यह दोष मढ़ दिया जाता है।जब इस विषय पर स्थानीय प्रशासन से सवाल उठाए जाते हैं, तो कोई ठोस जवाब नहीं मिलता। यह भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का एक ज्वलंत उदाहरण है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य यहाँ बुरी तरह से विफल हो रहा है, और हमारे बच्चों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वे इस योजना को गंभीरता से लागू करें और यह सुनिश्चित करें कि हर बच्ची को इसके लाभ मिलें। प्रशासनिक स्तर पर इस योजना को सुचारु रूप से चलाने के लिए एक ठोस कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए, जिसमें सभी विभागों की जिम्मेदारी तय की जाए। इसके अलावा, यह भी आवश्यक है कि शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार किया जाए और उदासीनता निष्क्रियता भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस योजना के तहत दिए गए बजट का सही तरीके से उपयोग हो और निर्धारित राशि स्कूलों को समय पर दी जाए। राज्य सरकार को भी इसके लागू होने में निरंतर निगरानी रखनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी से बचा जा सके।क्या कदम उठाए जाने चाहिए?प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन - यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक स्कूल में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित हो, और सभी बच्चियों को इसका लाभ मिल सके।निगरानी तंत्र का निर्माण - शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के द्वारा एक निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए ताकि योजना के क्रियान्वयन की सही जानकारी प्राप्त हो सके और कोई भी अनियमितता सामने आए तो तुरंत कार्यवाही की जा सके। उदासीनता निष्क्रियता पर नियंत्रण - प्रशासनिक निष्क्रियता और उदासीनता पर सख्त कदम उठाए जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए कि योजना का पूरा बजट जरूरतमंद स्कूलों तक पहुंचे।रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा योजना एक प्रभावशाली कदम था, जिसे बेटियों की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था। लेकिन मुंगेली जिले में प्रशासनिक लापरवाही और उदासीनता के कारण यह योजना अब तक विफल रही है। यह समय की मांग है कि इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया जाए और केंद्र तथा राज्य सरकार इस योजना को सही तरीके से लागू करने के लिए प्रभावी कदम उठाए।हमारे बच्चों का भविष्य उनके सुरक्षित और सशक्त होने पर निर्भर करता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी लड़की को अपनी सुरक्षा की चिंता करने की आवश्यकता न हो, और उन्हें आत्मरक्षा के प्रशिक्षण के साथ अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिले।सामाजिक जागरूकता अभियान - योजना के उद्देश्यों और इसके लाभों के बारे में जनता को जागरूक किया जाए, ताकि वे प्रशासन से जवाबदेही कर सकें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायत कर सकें।मुंगेली जिले के शिक्षा विभाग के कारनामे एक के बाद एक खुल कर सामने आ रहे हैं, अब बेटियों के लिए वर्षों से चल रही केंद्र सरकार की योजना रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा की राशि भी जारी नहीं की गई, लगातार दूसरे वर्ष भी हमारी बेटियों को नहीं मिल पाया प्रशिक्षण।

एक ओर प्रधानमंत्री जी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाएं हमारी बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए चलाई जा रही हैं, वहीं समग्र शिक्षा अभियान द्वारा वर्षों से चल रही रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा जैसी केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना का प्रशिक्षण मुंगेली जिले में विगत दो वर्षों से नहीं कराया जा रहा है।ज्ञात हो कि केंद्र सरकार हमारी बेटियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाने और स्वयं को कैसे सुरक्षित रखें, इसके लिए प्रतिवर्ष मिडल और हाईस्कूल हायर सेकेंड्री स्कूल की बच्चियों के लिए प्रशिक्षण हेतु स्कूलों को राशि आबंटित करती है। प्रति वर्ष स्कूल स्तर पर प्रशिक्षण आयोजन कराया जाता रहा है, किंतु विगत दो सालों से यह राशि शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन के निष्क्रियता, उदासीनता और लापरवाही की भेट चढ़ी हुई है। इस महत्वा कांक्षी योजना पर ना शिक्षा विभाग राज्य द्वारा दिए निर्देशानुसार कोई कार्ययोजना बना पा रही है, ना ही इस योजना के तहत जारी राशि को तय समय पर स्कूलों को जारी किया जा रहा है। बस अपना पल्ला झाड़ने सत्रांत के कुछ समय पहले स्कूलों को राशि जारी कर लैप्स करा कर स्कूल प्रमुखों के माथे ग़लतियाँ मढ़ दी जाती हैं।कितनी चतुराई से हमारे बेटियों को इस योजना के लाभ से वंचित रखा जा रहा है और उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

मुंगेली में 'रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा योजना' पर उठे गंभीर सवाल, क्या है प्रशासन की भूमिका?

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'समग्र शिक्षा' योजना के तहत मिडिल और हाई स्कूलों की छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित करने वाली 'रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण' योजना अब मुंगेली जिले में सवालों के घेरे में है। पिछले दो वर्षों से इस योजना की राशि स्कूलों तक न पहुँचने के कारण यह योजना दम तोड़ती नजर आ रही है।हक पर प्रहार राज्य परियोजना कार्यालय रायपुर द्वारा प्रत्येक वर्ष आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए बजट आवंटित किया जाता है, लेकिन मुंगेली में यह राशि तय समय सीमा में स्कूलों तक नहीं पहुँच पाई, जिससे लाखों रुपये लैप्स हो गए।प्रशासनिक विफलता जहाँ बेटियाँ मार्शल आर्ट्स और आत्मरक्षा के गुर सीखने के लिए उत्सुक थीं, वहीं विभाग की सुस्ती और लापरवाही के कारण सरकारी पैसा वापस शासन के पास लौट गया। योजना को कार्यान्वित करने की बजाय यह राशि सिर्फ कागजों तक सिमटकर रह गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कि जनकल्याणकारी योजनाओं नीतियों को दबाने कुचलने का संदेह दो वर्षों से लगातार एक ही गलती दोहराए जाने से अब स्थानीय स्तर पर विभाग की नीयत पर सवाल उठ रहे हैं। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि किसी बड़े वित्तीय खेल या कमीशन खोरी का संकेत भी हो सकता है। योजना को जानबूझकर अंजाम तक न पहुँचने देना कई सवालों को जन्म दे रहा है।इस मामले में विभाग और जिला कलेक्टर की भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्या यह केवल प्रशासनिक लापरवाही है या निष्क्रियता उदासीनता का मामला? इस गंभीर मुद्दे ने न सिर्फछात्राओं के अधिकारों का उल्लंघन किया है, बल्कि महिला सशक्तिकरण के सरकारी दावों की सच्चाई भी उजागर कर दी है।अब यह देखना बाकी है कि क्या शासन इस मामले में दोषियों के खिलाफकार्रवाई करता है, या फिर बेटियों की सुरक्षा की योजनाएँ यूं ही कागजों में दफ्न हो जाएंगी। वहीं दूसरी ओर कलेक्टर अपनी फोटो सेशन पर सक्रिय पर बेटियों के लिए वित्तीय स्वीकृति राशि जारी करने में सहभागिता सुनिश्चित करने के बजाय जानबूझकर योजनाओं को शिथिल करने का भारी-भरकम प्रयासरत करने

मेहनत बेटीकी,बैनर-पोस्टर

नेताओं के मुंगेली में जन्मी, बिलासपुर में पढ़ी छ्छ्स में लेफ्टिनेंट बनी बेटी का 'क्रेडिट' लूटने में मची होड़ जीरो कॉन्ट्रिब्यूशन, फुल पब्लिसिटी बिलासपुर में पढ़कर छ्छ्स में देश में चौथी रैंक लाने वाली बेटी की कामयाबी पर मुंगेली प्रशासन और छ्रूकी 'फोटो पॉलिटिक्स' क्रेडिट की भूख जन्मभूमि मुंगेली, कर्मभूमि न्यायाधानी बिलासपुर बेटी बनी लेफ्टिनेंट,पर बिना कुछ किए सेहरा बांधने उतरे मुख्यमंत्री और कलेक्टर!

असली हीरो छात्रा,क्क्र' हीरो प्रशासन छ्छ्स में चौथी रैंक लाने वाली बेटी की सफलता पर मुफ्त की वाहवाही लूटता मुंगेली शिक्षा विभाग और सरकार।

मुंगेली बिलासपुर देश में एक बेटी ने अपनी मेहनत और संघर्ष से छ्छ्स जैसी कठिन परीक्षा में चौथी रैंक हासिल कर देश के लिए एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया। यह होनहार छात्रा, जिसने अपने दम पर यह सफलता पाई, मुंगेली जिले में जन्मी और बिलासपुर जिले में अपनी शिक्षा पूरी की। छात्रा और उसके परिवार ने बिना किसी बाहरी सहायता के अपनी मेहनत से यह लक्ष्य प्राप्त किया।लेकिन जैसे ही सफलता की खबर आई, सिस्टम ने बिना किसी योगदान के उसे अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना शुरू कर दिया। मुंगेली जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग और राज्य के मुख्यमंत्री तक इस सफलता का 'क्रेडिट' लेने के लिए उत्सुक हो गए। अखबारों और न्यूज़ चैनलों में तस्वीरों और विज्ञापनों के जरिए इस बेटी की मेहनत को अपनी पब्लिसिटी का हिस्सा बना लिया गया।यह देखना हैरान करने वाला है कि जिस समय यह छात्रा अपने भविष्य के लिए बिलासपुर में शिक्षा प्राप्त कर रही थी, उस समय मुंगेली प्रशासन और मुख्यमंत्री का कोई सहयोग नहीं था। अब जब सफलता मिल गई, तो उनके विज्ञापन और फोटो सत्र शुरू हो गए।सवाल यह उठता है कि क्या अब सिस्टम का काम सिर्फ सफल लोगों की मेहनत पर अपनी 'फोटो चिपकाना' हो गया है? इस उदाहरण ने हमें यह सोचने पर मजबूर किया है कि क्या प्रशासन और सरकार का असली काम सिर्फफोटो शूट और वाहवाही लूटने तक सीमित रह गया है, जबकि असली मेहनत हमेशा उन मेहनती लोगों की होती है, जिन्होंने किसी भी प्रकार की सरकारी मदद के बिना यह मुकाम हासिल किया।जनता अब पूछ रही है कि जब ये हीरो अपनी मेहनत से सफलता पा रहे थे, तो प्रशासन कहां था? क्या अब उनकी मेहनत को बिना किसी योगदान के 'लूटने' का यह खेल बंद नहीं होना चाहिए? इस तरह की राजनीति, जहां मेहनत की असली कद्र नहीं की जाती और सिर्फ पब्लिसिटी के लिए हर किसी ने उस सफलता पर हाथ मारा हो, एक गहरी चिंता का विषय बन गया है।सिस्टम को अब यह समझना चाहिए कि असली हीरो वे हैं, जो खामोशी से अपनी मेहनत से सफलता की सीढ़ी चढ़ते हैं, ना कि वो जो सफलता मिलने पर सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए दौड़ते हैं।

जिसका ताजा उदाहरण छत्तीसगढ़ राज्य के जिला मुंगेली में देखने एवं अवलोकन करने में स्पष्ट देखने को मिल रहा है। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ वित्तीय स्वीकृति आदेश क्रमांक/5055/SS/VE(SE)/2025-26/ रायपुर दिनांक 11/11/2025 की अवलोकन करने कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी एवं सह जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा जिला मुंगेली छत्तीसगढ़ पत्र क्रमांक/794/एस.एस./ब्यावसायिक शिक्षा/2025-26 मुंगेली दिनाक 02/01/2026 की अवलोकन करने कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी एवं सह जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा जिला मुंगेली छत्तीसगढ़ के पत्र क्रमांक/552/एस.एस./ब्यावसायिक शिक्षा/2025-26 मुंगेली दिनांक 22/01/2026 की अवलोकन करने जिला कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम मुंगेली में शिकायत प्रतिवेदन पत्र कि अवलोकन करने

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी एवं सह जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा जिला मुंगेली छत्तीसगढ़ पत्र क्रमांक/906/एस.एस./ब्यावसायिक शिक्षा/जनदर्शन/2025-26/ मुंगेली दिनांक 16/02/2026 की अवलोकन करने जिला कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम मुंगेली में आपत्ति प्रतिवेदन पत्र की अवलोकन करने जिला जनसंपर्क कार्यालय जिला मुंगेली से जारी समाचार की अवलोकन करने कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी एवं सह जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा जिला मुंगेली की पत्र क्रमांक/971/एस.एस./ब्यावसायिक शिक्षा/स्पष्टीकरण/2025-26 मुंगेली दिनांक 25/02/2026 को अवलोकन हेतु उपरोक्त विषय में आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा समग्र शिक्षा योजना अंतर्गत मुंगेली जिले के 41 विद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा संचालन हेतु प्रति विद्यालय ?2 लाख की दर से कुल ?82 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसे क्क्नरूस्र प्रणाली के माध्यम से संबंधित विद्यालयों को लिमिट जारी कर उपलब्ध कराए जाने का स्पष्ट प्रावधान है।राज्य परियोजना कार्यालय से उक्त वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुए तीन माह से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बावजूद आज दिनांक तक जिला स्तर पर क्क्नरूस्र के माध्यम से उक्त राशि की लिमिट जारी नहीं की गई है, जो कि गंभीर प्रशासनिक लापरवाही, कर्तव्यहीनता एवं वित्तीय प्रक्रिया में स्पष्ट उल्लंघन की श्रेणी में आता है।लिमिट जारी करने में विलंब हेतु उत्तरदायी समस्त अधिकारियों की पहचान करने हेतु जिला स्तरीय स्वतंत्र जांच टीम गठित की जाए। एवं जांच टीम द्वारा कि जा रही सम्पूर्ण जांच कार्यवाही कि जीपीएस मैप कैमरा से विडियो सूट एवं शिकायत कर्ता की उपस्थिति सुनिश्चित किया जाए।जिला को प्राप्त ?82 लाख की वित्तीय स्वीकृति से संबंधित समस्त नस्तियों (फाइलों) की जांच कराई जाए।जांच में यदि विलंब एवं लापरवाही की पुष्टि होती है, तो संबंधित प्रकरण का नस्तियों सहित जांच प्रतिवेदन विभागीय उच्च कार्यालय, शिक्षा विभाग को प्रेषित किया जाए।

दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु अनुशंसा प्रतिवेदन सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाए।

साथ ही क्क्नरूस्र के माध्यम से स्वीकृत राशि की लिमिट तत्काल जारी कराई जाए, जिससे व्यवसायिक शिक्षा का संचालन बाधित न हो।यह जनहित एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य से संबंधित है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी एवं कार्यालय जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा जिला मुंगेली छत्तीसगढ़ में सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई सत्यापित दस्तावेज प्राप्त करने उपरांत होगा अहम खुलासा। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार यह पता चला है कि आवेदक को तत्काल जानकारी प्रदान नहीं करके उन्हें भ्रामक और विषय से संबंधित अतिआवश्यक जानकारी प्रदान नहीं करने कि कसमें वादे निभाने की फिराक में है।

सफलता की कहानी : होली के त्यौहार पर खुशियों की बौछार

दुर्ग/समय दर्शन)। 'कृषक उन्नति योजना' प्रदेश के कृषकों के लिए इस वर्ष की होली त्यौहार के पूर्व आर्थिक समृद्धि की नई उमंग लेकर आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा उक्त योजना के अंतर्गत आज प्रदान की गई आदान सहायता राशि (अंतर की राशि) ने ग्रामीण अंचलों में उत्सव के माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया है। त्यौहारों के ठीक पहले किसानों के बैंक खातों में राशि पहुँचने से जिले के किसानों में हर्ष व्याप्त है। इसी उत्साह के बीच विकासखण्ड दुर्ग अंतर्गत ग्राम जेवरा के किसान श्री धनेश राम नागवंशी ने मुख्यमंत्री के इस कदम को किसानों के जीवन में खुशियों का रंग

भरने वाला बताया। श्री धनेश राम नागवंशी ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, होली के पावन त्यौहार से ठीक पहले अंतर की राशि हमारे बैंक खाते में भेजकर मुख्यमंत्री श्री साय ने हमारी होली को 'रंगीन' और यादगार बना दिया है। अब हम बिना किसी आर्थिक चिंता के और भी अधिक उत्साह के साथ सपरिवार अपना त्यौहार मना सकेंगे। श्री धनेश ने कहा कि शासन की इस संवेदनशील पहल ने न केवल त्यौहारों के खर्चों की राह आसान की है, बल्कि किसानों को यह भरोसा भी दिलाया है कि राज्य सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

सफलता की कहानी : वादा हुआ पूरा, खुशहाल हुए प्रदेश के अन्नदाता

दुर्ग/समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार की 'कृषक उन्नति योजना' प्रदेश के अन्नदाताओं के लिए खुशहाली और आर्थिक सशक्तिकरण का नया आधार बन गई है। उक्त योजना के तहत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज प्रदेश के लाखों किसानों के बैंक खातों में सीधे आदान सहायता राशि (अंतर की राशि) हस्तांतरित की। इस महत्वपूर्ण पहल से विकासखंड दुर्ग अंतर्गत ग्राम कातरो के प्रगतिशील किसान श्री द्वारिका बेहद उत्साहित हैं, उन्होंने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा सरकार ने जो

वादा किया था, कि त्यौहार के पूर्व अंतर की राशि किसानों के खातों में हस्तांतरित कर दी जाएगी, आज इस वादे को पूरी ईमानदारी से पूरा किया है। उनका मानना है कि मुख्यमंत्री श्री साय के इस किसान हितैषी निर्णय से प्रदेश की खेती-किसानी को नई गति मिली है और आज खाते में राशि आने से अब वे अपनी कृषि जरूरतों के साथ साथ त्यौहार के खर्च भी समय पर और बेहतर ढंग से पूरा कर सकेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस किसान हितैषी निर्णय के लिए हृदय से धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त-खबर

केजरीवाल और सिसोदिया बाइज्जत बरी, ऐतिहासिक न्यायिक फैसला : भूपेश तिवारी

राजनांदगांव। दिल्ली के चर्चित शराब नीति मामले में सीबीआई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 23 अन्य आरोपियों को बाइज्जत बरी कर दिया। इस फैसले ने देशभर में राजनीति को एक नया मोड़ दिया है और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं में उल्लास का माहौल है। गौरतलब है कि 21 मार्च 2024 को प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, उसके बाद 26 जून 2024 को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। 23 जुलाई 2024 को उन्हें जमानत मिली। दो वर्षों तक चले इस विवादास्पद मामले में सीबीआई कोर्ट ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया और केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। फैसले के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैंने हमेशा ईमानदारी से राजनीति की है। यह फैसला न केवल मेरी, बल्कि ईमानदार राजनीति की जीत है। मेरे खिलाफ यह झूठा मामला राजनीतिक षड्यंत्र के तहत तैयार किया गया था, और आज अदालत ने साबित कर दिया कि हम पर लगाए गए सभी आरोप निराधार थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा, लोकतंत्र को इस तरह से ताक पर न रखें, और संविधान का अपमान न करें। राजनांदगांव में प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष भूपेश तिवारी ने कहा, यह केवल दो नेताओं की नहीं, बल्कि सत्य, संविधान और ईमानदार राजनीति की जीत है। यह ऐतिहासिक विजय है, जो बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। हमारे नेताओं को षड्यंत्र के तहत फंसाया गया था, और आज न्याय ने सच को स्वीकार किया है। फैसले के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राजनांदगांव और छत्तीसगढ़ के अन्य हिस्सों में मिठाइयाँ बांटी और एक-दूसरे को बधाई दी। पार्टी के नेताओं का कहना है कि यह निर्णय आने वाले समय में ईमानदार राजनीति को और मजबूती देगा। आज का फैसला न केवल अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के लिए राहत की खबर है, बल्कि यह पूरे देश में राजनीति की दिशा पर भी असर डाल सकता है। यह फैसला उन नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी जीत है जो सच्चाई और ईमानदारी के साथ राजनीति में बदलाव लाने का दावा करते हैं।

राज्य सरकार ने बजट में रखा कैशलेश सुविधा का प्रावधान, कर्मचारियों ने सांसद विजय बघेल का जताया आभार

पाटन। राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया गया है। कैशलेश चिकित्सा सेवा कर्मचारी कल्याण संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष लिखेश वर्मा ने बताया कि इस संबंध में पूर्व सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर मांग रखी गई थी। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए श्री बघेल ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने की मांग की थी। इसके बाद राज्य सरकार ने बजट में इस सुविधा के लिए प्रावधान रखा है। इस निर्णय से कर्मचारियों में खुशी की लहर है। कर्मचारी लंबे समय से कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग कर रहे थे, जिससे उन्हें इलाज के दौरान आर्थिक दिक्कतों का सामना न करना पड़े। संघ पदाधिकारियों ने इसे कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया

राहुल शर्मा को जिला महामंत्री बनने पर युवाओं एवं वरिष्ठों में हर्ष

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग में ऊर्जावान युवा राहुल शर्मा को महामंत्री बनाए जाने के बाद कांग्रेसियों और आमजन में हर्ष की लहर है । राहुल को कांग्रेस के वरिष्ठ जनों से लेकर सामाजिक व्यक्ति बधाई दे रहे है। राहुल शर्मा का राजनीतिक शुरुवात 2005 में नगर शाला अध्यक्ष से हुई, उसके बाद 2006 में एनएसयूआई दुर्ग विधानसभा उपाध्यक्ष, फिर बाद 2008/9 में मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में महामंत्री के बाद 2010 से 2012 और 2012 से 2018 तक आर एन वर्मा जी के कमेटी में सचिव व महामंत्री, 2018 गया पटेल जी के अध्यक्षता में महामंत्री रह चुके हैं। अब 2026 में उन्हें पुन: महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है । 2012 में नगर निगम दुर्ग के खिलाफ जनसमस्याओं को लेकर किए आंदोलन में उनके ऊपर अपराध दर्ज हो गया था जिसमें वे विवेक मिश्रा, इलियास चौहान, अय्यूब खान , प्रकाश गीते , रज्जन खान के साथ 6 दिन की जेल भी काट चुके है । राहुल शर्मा ने अपनीनियुक्ति पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री सम्मानित भूपेश बघेल , पूर्व विधायक अरुण वोरा , प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री बड़े भैया राजेंद्र साहू शहर कांग्रेस कमेटी के दुर्ग के अध्यक्ष बड़े भाई धीरज बाकलीवाल का आभार व्यक्त करते हुवे धन्यवाद दिया है।

केसरा में सीसी रोड की आधारशिला रखी !

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रतिनिधियों ने की पूजा अर्चना कर शुभारंभ!

पाटन (समय दर्शन)। रानीतराई ग्राम पंचायत केसरा में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रतिनिधि राकेश ठाकुर अध्यक्ष जिला कांग्रेस,अशोक साहू विधायक प्रतिनिधि,दिनेश साहू सदस्य जप,राजेश ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने भाजपा सरकार को कोसते हुए कहा कि आज प्रत्येक पंचायत सहित सभी वर्ग दो साल के ट्रिपल इंजन सरकार से त्रस्त एवं हताश हो चुके है।

विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने पूर्व मुख्यमंत्री हमेशा से छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में समर्पित रहे है ।चाहे पक्ष एवं विपक्ष में जैसे भी जिम्मेदारी मिली हमेशा स्वाभिमान के साथ खड़े नजर आते हैं।

जनपद सदस्य दिनेश साहू ने जनपद निधि को मिलने में भारी विलंब को विस्तार से ग्रामीणों को बतलाए।

ब्लॉक अध्यक्ष एवं सरपंच निपानी राजेश ठाकुर ने ट्रिपल इंजन सरकार में सभी सरपंच ठन ठन गोपाल हो गए है।

स्वागत भाषण सरपंच डॉ ईश्वर निषाद ने,आभार सचिव द्वारिका यादव ने किया।

इस अवसर पर तेजराम सिन्हा,संतु सिन्हा,गजानंद सिन्हा,गुहा सिन्हा,भगवानी सिन्हा,मनहरण सिन्हा,जागेश्वर सिन्हा,बसंत सिन्हा उपसरपंच,कमलेश पटेल,माधो सिन्हा, सोमन सिन्हा,अशोक तिवारी, अशोक सिन्हा, सुखदेव निषाद,संतोष सिन्हा, केसरी निषाद, जयंती निषाद, पुष्पा सिन्हा पंचगण सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

चिखली ओवरब्रिज की सड़क जर्जर, लाईटें बंद, संकेतक तक नहीं लगाए गए, कांग्रेस ने पीडब्लूडी को घेरा

राजनांदगांव। उत्तर व दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी ने जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार के निर्देश पर संयुक्त रुप से शनिवार को चिखली ओवरब्रिज और अन्य सड़कों की दुर्दशा को लेकर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

ब्लाक अध्यक्षद्वय चेतन भानुशाली और लक्ष्मण साहू ने संयुक्त रुप से कहा कि बीते चिखली ओवरब्रिज की हालत बेहद खराब है। डिवाईडर बनाए जाने से सड़क संकरी हो गई है। इसके बाद डिवाईडर कई जगहों पर टूट गए हैं। ईंट बिखरे पड़े हैं। यहां की सभी लाईटें बंद पड़ी है। सड़क में कहीं कोई संकेतक भी नहीं लगाए गए हैं। सड़क भी खराब है। इस रास्ते में चल पाना भी लोगों के दूभर हो चुका है। वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। उन्होंने तत्काल यहां डिवाईडर और सड़क की मरम्मत किए जाने और लाईटों को चालू करने की मांग की।

अध्यक्षों ने कहा कि शहर में लोक निर्माण विभाग के कई रास्तों का यही हाल है। लखोली से कन्हारपुरी मार्ग की स्थिति भी ऐसी ही है। भारी वाहनों की आवाजाही से यह और जर्जर हो चुकी है। लखोली ओवरब्रिज से लेकर कन्हारपुरी तक तो सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। इसी तरह डोंगरगढ़ जाने वाले वार्ड एक बजरंगपुर-नवांगांव मार्ग और शहर के अन्य विभिन्न सड़कों की बुरी स्थिति को लेकर प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसियों ने आक्रोश व्यक्त किया।

चेतन भानुशाली ने कहा भाजपा विकास के बड़े-बड़े दावे करने में मशगुल है और यहां शहर की सड़कें ही लोगों को बेहाल कर रही हैं। पेंड्री से रायपुर नाका की ओर जाने वाले बाईपास की स्थिति ऐसी है कि यहां दो पहिया वाहन चला पाना भी मुश्किल है। ऐसी जर्जर सड़कें ही दुर्घटनाओं का कारण भी बनती है।

लक्ष्मण साहू ने कहा कि सड़कों की मरम्मत, निर्माण का कार्य एक माह के भीतर अगर शुरु नहीं किया जाएगा तो कांग्रेस हर जर्जर सड़क पर इसका जिम्मेदार लोक निर्माण विभाग और भाजपा सरकार को बताने वाले बोर्ड लगाएगा। इस दौरान मामराज अग्रवाल, अशोक पंजवानी, पार्षद राजा तिवारी, पिंकू खान, कादिर कुरैशी, जय जायसवाल, वीरेंद्र चंद्राकर, लोकू यादव, निलेश ठावरे, गोलू नायक, अभिषेक सिंह, रोकेश चंद्राकर, हिमालय बन्दे, शत्रु पासवान, राहुल यादव सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

होली की तैयारियां जोरों पर: बाजारों में रंग-बिरंगी रौनक, खरीदारी शुरू

एस एच अज़हर/दंतेवाडा। किरंदुल नगर के बाजारों में होली पर्व को लेकर जोरदार चहल-पहल शुरू हो गई है। दुकानें रंग-बिरंगे गुलाल, अबीर, हर्बल रंग, पिचकारियां, होली स्पेशल टोपी, बाल चश्मा, ढोल-ताशा, टी-शर्ट, कुर्ते और अन्य उत्सव से जुड़ी सामग्री से आकर्षक ढंग से सजी नजर आ रही हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए तरह-तरह की पिचकारियां और पर्यावरण-अनुकूल हर्बल रंग उपलब्ध हैं। व्यापारियों के अनुसार इस साल होली की खरीदारी पिछले वर्षों की तुलना में पहले ही शुरू हो गई है, जिससे बाजार में खास रौनक छाई हुई है। दुकानदारों ने ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उचित और प्रतिस्पर्धी दामों पर सामान उपलब्ध कराया है। शाम के समय बाजार में भीड़ काफी बढ़ जाती है और लोगों में होली के प्रति जबरदस्त उत्साह दिखाई दे रहा है। प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्थाएं की हैं, ताकि लोग बिना किसी परेशानी के होली की खरीदारी का आनंद ले सकें।

सुरक्षा की नई मिसाल -पार्षद मनोज गहरेवाल के प्रयास से गली मुहल्ला सीसी टीवी से लैश

बसना(समय दर्शन)। नगर के वार्ड क्रमांक 01 ने सुरक्षा व्यवस्था के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए इतिहास रच दिया है। बढ़ती चोरी एव आपराधिक घटनाओं व वार्ड में असामाजिक तत्वों की हुल्लड़बाजी को देखते हुए वार्ड सुरक्षा की दृष्टी से वार्ड के पार्षद मनोज गहेरवाल के प्रयास से पूरे वार्ड की सभी गलियों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं।

वार्ड में आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं तथा असामाजिक गतिविधियों से आम नागरिकों में भय का वातावरण बन रहा था। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए पार्षद द्वारा सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। अब वार्ड की प्रमुख गलियों और संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही हैद्ध

पार्षद मनोज गहेरवाल ने बताया कि कैमरे लगने से अपराधों पर अंकुश लगेगा, साथ ही किसी भी घटना की स्थिति में पुलिस को साक्ष्य उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है और भविष्य में भी जनहित के कार्य लगातार किए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण पहल को सफल बनाने में नगर प्रशासन का पूर्ण सहयोग मिला, जिसके लिए उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ खुसबू अग्रवाल, उपाध्यक्ष शीत गुप्ता , मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूरज सिदार का विशेष आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया है। वार्डवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे सराहनीय कदम बताया है। वार्डवासियो का मानना है कि सीसीटीवी निगरानी से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण बनेगा।

वार्ड के निवासी फिरोज खान ने बताया की वार्ड में हो रहे आसामाजिक गतिविधियों को देखते हुए पार्षद मनोज गहेरवाल के द्वारा चुनाव के पूर्व वार्ड सुरक्षा के लिए प्रमुख गलियों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का वादा किया था । जिसे अपने एक वर्ष के कार्यकाल के भीतर ही पूर्ण कर दिया है ,उनके यह सराहनीय कार्य से हम वार्डवासी काफी संतुष्ट हैं ,तथा इस पहल के लिए उन्हें सभी वार्डवासी आभार व्यक्त करते है।

इस प्रकार बसना का वार्ड क्रमांक 01 नगर का पहला ऐसा वार्ड बन गया है , जहाँ सभी गलियों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नियमित निगरानी की जा रही।

मुड़पार में सड़क पर फैली गिट्टी से फिसल रहे बाइक सवार, हादसों का बढ़ा खतरा

पाटन। सेलूद क्षेत्र के मुड़पार में सड़क पर फैली गिट्टी के कारण आए दिन बाइक सवार फिसलकर गिर रहे हैं। हाइवा वाहनों में ओवरलोड गिट्टी परिवहन के दौरान सड़क पर गिर रही है, जिससे दो लेन की सड़क अब सिंगल लेन जैसी स्थिति में पहुंच गई है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, खदानों से निकलने वाले हाइवा वाहनों में क्षमता से अधिक गिट्टी लोड की जाती है। चलते समय गिट्टी सड़क पर गिरती रहती है, जिससे मार्ग पर फिसलन बढ़ गई है। हालात इतने खराब हैं कि दोपहिया वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना का डर बना रहता है।

कुछ माह पहले भी हाइवा से बड़े-बड़े पत्थर गिरने के कारण सड़क पर जाम लग गया था। उस समय ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर सड़क जाम कर दिया था। प्रशासनिक आश्वासन के बाद जाम तो खुल गया, लेकिन व्यवस्था में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ।

आज फिर एक बाइक सवार हाइवा को साइड देते समय सड़क पर फैली गिट्टी के कारण फिसलकर गिर गया। गनीमत रही कि उसे गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि अंचल के खदान संचालकों की लापरवाही के कारण लगातार सड़क पर गिट्टी फैल रही है। उन्होंने प्रशासन से ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई और सड़क की नियमित सफाई की मांग की है, ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले समस्या का समाधान हो सके।

पशुपतिनाथ मंदिर की 15 वां स्थापना दिवस भक्तिभाव के साथ सम्पन्न,विशाल भण्डारे का किया गया आयोजन

किरंदुल। ग्राम पंचायत कोड़ेनार स्थित पशुपतिनाथ मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर स्थापना के 15 वीं वर्षगांठ का आयोजन 28 फरवरी शनिवार विधिवत पूजा अर्चना व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।सर्वप्रथम सुबह 10 बजे महामृत्युंजय मंत्र रुद्राभिषेक,पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमें श्रद्धालुगण व गायत्री परिवार के सदस्य सम्मिलित हुए।तत्पश्चात दोपहर 01 बजे महाभण्डारे का आयोजन किया गया।जिसमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

पत्रकार कल्याण महासंघ बसना ब्लॉक इकाई की बैठक संपन्न

देशराज दास ब्लाक अध्यक्ष एवं अरुण साहू जिला संगठन सचिव नियुक्त

बसना(समय दर्शन)। पत्रकार कल्याण महासंघ की बसना ब्लॉक इकाई की मासिक बैठक बसना कृषि उपज मण्डी सभागार में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की विभिन्न गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन को मजबूत बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सेवकदास दीवान, प्रदेश सहसचिव आर के दास,जिला महासचिव अभय धृतलहरे की गरिमामय उपस्थिति में बैठक में विभिन्न रचनात्मक निर्णय लिया गया।

पत्रकारो के रचनात्मक कार्यशैली को देखते हुए संगठन

को मजबूती प्रदान करने देशराज दास को बसना ब्लाक का अध्यक्ष एवं अरुण साहू को जिला संगठन सचिव नियुक्त किया गया।

इस दौरान उपस्थित सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया तथा हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। प्रदेश अध्यक्ष सेवकदास दीवान ने बैठक में संगठन की एकता और मजबूती पर विशेष जोर देते हुए सब एक के लिए और एक सबके लिए का नारा बुलंद किया गया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हित, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठनात्मक एकजुटता आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव अभय धृतलहरे ने किया। संगठन में नये सदस्य के रूप में अमृत कोसरिया, सफेद लाल साहू ,क्षमानंद पटेल का माला पहनाकर, मिष्ठान्न खिलाकर स्वागत किया गया। बसना ब्लाक के युवा पत्रकार हेमंत ताण्डी का जन्मदिन संगठन की तरफ से केक काटकर,मिठाई खिलाकर सेलिब्रेट किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान, प्रदेश सचिव ऋषिकेशन दास एवं जिला महासचिव अभय धृतलहरे ,जिला उपाध्यक्ष इब्राहिम कादरी, अध्यक्ष देशराज दास,जिला संगठन सचिव अरूण साहू, बसंत साहू,गोवर्धन नंदे,दासरथी चौहान,दीपक जगत,फिरोज खान, हेमंत ताण्डी,क्षमानंद पटेल,दीपक पटेल,सागर प्रधान,तिलक बरिहा,अमृत कोसरिया,सफेद लाल साहू सहित ब्लॉक इकाई बसना के सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में संगठन को आगे बढ़ाने, पत्रकारों की समस्याओं के समाधान एवं भविष्य की कार्ययोजना को लेकर सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26